एक मनुष्य प्रभु की उपस्थिति में से भाग रहा है

आइये हम अपने सिरों को झुकाये। प्रिय परमेश्वर, हम इस दोपहर बाद प्रसन्न है कि यह सौभाग्य मिला हैं कि हम सब लोग आपस में मिलकर एक बार फिर से जमा हुए है। और प्रभु केवल आप ही जानते है, कि हमारे ह्रदय कैसे इस समय के लिए लयलीत रहते हैं कि जब हम आपके लोगों के समक्ष फिर से खड़े हो सकते हैं, और इस संदेश को लाते हैं कि हम जीवन के सम्बन्ध में यह अनुभव करते हैं कि इस घड़ी के लिए यह बहुत ही आवश्यक है। तूने हमें यह कुछ दिनों में हमारे हिस्से में अब दिए है, और हम प्रार्थना करते हैं, प्रिय परमेश्वर, कि आपके अनुग्रह का हाथ हमारे ऊपर, हमारे मार्गदर्शन और हमारे निर्देशन के लिए होगा। और हमें वे चीजें दें जिनकी हमें आवश्यकता है, क्योंकि प्रभु, हमारे हृदय आपको और अच्छी तरह से जानने के लिए लालायित हैं।

2 हम कटाई के लिए पके हुए, सफेद खेत देखते है, और जानते हैं कि वह दाना महान कटाई के समय के लिए अब तैयार है। प्रिय परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे चारों ओर से छिलके को उतार देंगे, आइए इन आने वाले कुछ दिनों के लिए और परमेश्वर के राज्य के लिए पकने के वास्ते, हमें अपने पुत्र की उपस्थिति में पड़े रहने दे।

3 हर गाना जो गाया जाएगा उसे आशीषित करें। प्रत्येक प्रार्थना और प्रत्येक जिसके लिए प्रार्थना की जायेगी उसका उत्तर देना, प्रभु। सब खोये हुओं को बचा। वे जो भटक गए है, उन्हें जीवित परमेश्वर के घर में, और संगति में वापस बुला।

4 परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं, कि आप हर एक बीमार को जो हमारी छत के नीचे आया है, उसे चंगा करेंगे। प्रभु इसे ग्रहण करे। होने दे कि सभाओं के अंत में हमारे बीच कोई भी दुर्बल ना व्यक्ति ना हो।

5 और, प्रिय परमेश्वर, तब हम अपने लिए, हम जो इस घड़ी में कलीसिया

होने का दावा करते हैं, बाहर बुलाये हुए, वे जो समस्त संसार भर में बाबुल से बाहर निकल आए हैं और इस अंतिम दिन में शानदार संगति के भागी होते है, परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं, कि आप हमारे ह्रदयो को इस तरह से आशीषित करेंगे। सच में प्रभु हम भूखे हैं, और हमने जितना हम जानते है अपने को संसार की सारी चीजों से खाली कर लिया हैं। प्रभु, हम हर बोझ को एक ओर डाल देते है जिससे हम सरलता पूर्वक घेर लेता है, और अब हमें दौड़ में धैर्य से दौड़ने दे, जो हमारे सामने रखी है। पिता, इसे ग्रहण करे। और होने दे इस सभा के अंत में हम भरे हुए, मजबूत, अच्छे मसीही हो, जब हम अन्दर आये थे उससे अधिक। होने पाए सारी महिमा परमेश्वर को मिले, क्योंकि हम यह सब यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

6 मैं सोचता हूं कि आज रात्री के लिए यह अच्छा सौभाग्य है, कि मैंने कुछ देर तक प्रतीक्षा की। उस दिन मैं अपनी पत्नी को बता रहा था, मैंने कहा, "आराधनालय पहुचने की प्रतिक्षा में, मैं अधीर हो जाता हूं।" मैं... मेरे पास दूसरे और मित्र हैं, अवश्य ही, ऐसा है, सारे संसार भर में मेरे मित्र है, परंतु यहां इस आराधनालय के विषय में कुछ और ही बात है।

मैं यहीं की मिट्टी से निकाला गया था, जब परमेश्वर ने मुझे इस पृथ्वी पर जीवन दिया; और समझता हूं, यदि वह देर करता है, तो मैं यही कहीं गाड़ा जाऊंगा। जब वह आता है, तो वह मुझे यहीं कहीं पायेगा।

7 परन्तु, ऐसा प्रतित होता है, कि कहीं कुछ तो है, जब मैं जैफरसनविले के विषय में सोचता हूं। उस दिन मैं इतना अकेला पड़ गया; मैंने अपनी पत्नी से कहा, मैंने कहा, "मैं घर छोड़ने से दु:खी हूं, और मैं नहीं जानता कि मैं घर छोड़ने से किसलिए दु:खी हूं, जब तक कि वे लोग मेरे लिए प्रार्थना करे।" मैंने कहा, "अच्छा, मैं... केवल एक बात जो मैं करने के लिए जानता हूं कि मैं वापस जाकर और कुछ दिनों की सभा करूं, देखिये यदि हम प्रभु की ओर से कुछ नहीं पा सकते, तो हो सकता है वह चाहता है कि हम कुछ जाने।"

और वह महान, जीवन सम्बधी विषय *विवाह और तलाक* जो अब हमारे सामने है। और यदि कोई प्रश्न है, तो उसका उत्तर भी होना है। कोई प्रश्न हो ही नहीं सकता, जब तक उसका उत्तर ना हो। इससे कोई मतलब नहीं कि वह क्या है, उसका उत्तर है। और यदि प्रभु ने चाहा, तो मैं उस पर रविवार की प्रात: बोलने का यत्न करना चाहता हूं।

8 और तब, कल आने वाली रात को, मैं सोचता हूं कि हमें यहां... वह विद्यालय क्या कहलाता है? [भाई नेविल कहते हैं, "पार्कव्यूह।"—सम्पा।] पार्कव्यूह सभागार। क्या, श्रीमान? ["पार्कव्यूह जूनियर हाई।"] पार्कव्यूह जूनियर हाई। कितने जानते हैं कि वह कहाँ स्थित है? ठीक है, मैं समझता हूं वे वहां दिशा निर्देश लगा देंगे, भाई नेविल वे लगा देंगे ना? ["जी हां।"] वह... यहां से ऊपर लगभग—लगभग तीन चौथाई मील होगा, और वहां दिशा निर्देश चिन्ह होगा। सड़क छोड़ कर, वापस मुड़ना है। यह एक अच्छी, ऊंची इमारत है। उसमें आपके हाथ रखने के लिए स्थान हैं, और जो भी आप लिखना चाहे लिख सकते हैं, और—और—और दूसरी-दूसरी चीजे। और मैं आश्वस्त हूं कि आप वहां थोडा अधिक आनंद पायेंगे, यहाँ की अपेक्षा यहां के आप यहां सभा में अकड़ से जाते है आराधनालय में—में। वहां पर बहुत स्थान होगा, गाड़ी खड़ी करने के लिए बहुत स्थान है।

9 अब, मैं सोचता हूं कि उनके कुछ नियम है जिनको मानने के लिए हम वचनबद्ध है, वह यह था, कि लगभग साढ़े छह बजे तक मैदान में ना जाये। [भाई नेविल कहते हैं, "नहीं साढ़े पांच तक; वहां साढे पांच से पहले नहीं।"—सम्पा।] और किस समय... ["दरवाजे साढ़े छह बजे खुलते हैं।"] मैं विश्वास करता हूं कि हमारे लिए यह एक अच्छा विचार होगा कि वहां साढ़े छह बजे पहुंचे।

अब, उनके पास यहां नगर में एक और सभागार है जिसमें छह हजार कुर्सियों का स्थान हैं। यदि हम यहां सही प्रकार से रहेगे तो, तो वे हमें कभी तो एक बड़ी सभा के लिए दूसरे को लेने दे सकते हैं, हो सकता है किसी समय इन गर्मियों में जब मैं विदेश से वापस आऊंगा।

10 और इसलिए मैं सोचता हूं कि हम बैठ सकते हैं... हम कितने लोग वहां बैठ सकते हैं? [भाई नेविल कहते हैं, "हम लगभग चार हजार बैठ सकते हैं।"—सम्पा।] चार हजार। इसलिए, आप देखिए, कि हमारे पास बहुत स्थान है। वहां अधिक भीड़ नहीं होगी। और इसलिए साढ़े छह बजे आईये। और तब इसलिए हर कोई सही समय पर आ सकता है, सब एक एक साथ, और मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि आपको—आपको बैठने के लिए अच्छा स्थान मिलेगा। और वह *इस* तरह का बना हुआ है, और—और यहाँ स्थान हैं जहाँ आप टिप्पणी और इत्यादि लिख सकते हैं। और

वह आरंभ होगा, यदि प्रभु ने चाहा...

11 अब मैं सोचता हूं, आज रात्रि, इस बुधवार रात्रि की प्रार्थना सभा होने के कारण से, हमारा... यह स्थान लगभग भरने पर है, इसलिए मैं सोचता हूं कि अच्छा है कि हम कल रात्री में आरंभ करें। हमने इस को इस आशा में किराए पर लिया था कि हो सकता है, यदि यहाँ पर अत्यधिक भीड़ होगी, तो हम वहाँ ऊपर जा सकते हैं। परन्तु मैं यह विश्वास करता हूं कि यह... यह बहुत अच्छा है कि वहां पर जाये, भाई नेविल, क्या आप ऐसा नहीं सोचते, कि कल रात्री वहां जाये? और कितने ऐसा सोचते हैं कि यह एक अच्छा विचार है? और तब आपको वहां बहुत सा—सा स्थान मिल सकता है। इसे—इसे पहले ही किराए पर ले लिया है; उसका किराया इस कलीसिया के कुछ भाइयों ने दे दिया है। वह हमें पचास डॉलर प्रति रात्री के हिसाब से पड़ा है, जो कि बहुत ही, बहुत ही... कामना करता हूं कि वहां एक रात्री पचास डॉलर में हमें काफी कुर्सिया चारो ओर बैठने को मिल सकेगी, एक बिल्कुल नई इमारत, बढिया मंच। और, परन्तु हम लोग...

12 निश्चय ही, मैं समझता हूं, कि हम प्रेम दान लेंगे। और हम नहीं चाहते कि वे स्वयं इसका भुगतान करें; हम उसका खर्चा देंगे... उन्हें पैसा वापस लौटा देंगे। परन्तु जब हमारे खर्चे और चीजे पूरी हो जाती हैं, तो, तब, निश्चय ही, हम सही में, प्रेम दान लेना बंद कर सकते हैं। हम नहीं...

13 अब यदि यहां हमारे साथ कोई अपरिचित है, तो हमने यह पद्धति बना रखी है, कभी मांगेगे नहीं, ना ही पैसो के लिए लोगो पर दबाव डालेंगे। हम प्रेम दान की थैली को घुमाएंगे जो कि मात्र... एक धार्मिक कार्य है। मैंने बहुत बार प्रयत्न किया कि प्रेम दान की थैली भी लोगो के सामने बिल्कुल ना लाऊं, परन्तु ऐसा चल नहीं पाता। समझे? क्योंकि, देना हमारे धर्म का एक भाग है। यह हमारे कर्तव्य का एक भाग है। कोई बात नहीं यदि वह कम हो या वह जो भी हो, या एक पैसा हो, वही सब है...

14 इसलिए आपको याद होगा, एक दिन यीशु ने एक विधवा को वहां से निकलते देखा, जहां पर धनी लोग अपने घन भण्डार में से उस भण्डार में डाल रहे थे। और यह विधवा वहां से निकली, हो सकता है उसके साथ उसके दो भूखे बच्चे संग में चल रहे हो, और जो उसके पास था उसने सब दे दिया, तीन दमडिया। और यीशु ने कहा, "किसने अधिक दिया? "

15 अब, यदि मैं वहां पर खड़ा हुआ होता, तो मैं कहता, "बहन, ऐसा मत

करो। हम—हम, देखते है, हमारे पास काफी पैसा है।" परन्तु उसने उसे कभी नहीं रोका। देखा? उसे—उसे मालूम था कि उसके पास कोई महान चीज आगे के लिए भविष्य में थी। इसलिए, देखिए, इस सब के पश्चात, उसके पास महिमा में एक घर था, जिसमें वह जा रही थी। और उसने उसे कभी नहीं रोका। उसने उसे तीन दमडिया डालने दी, क्योंकि यही था जो वह करना चाह रही थी। और वो इसे करना चाहती थी; जो बालको के साथ थी और एक विधवा, और केवल तीन दमडिया जीवित रहने के लिए। और वह, इसे करना चाहती थी। इसलिए, आप देखिए, जब लोग देना चाहते हैं, आपको उन्हें देने देना चाहिए ऐसा करने के लिए सुअवसर।

16 लेकिन मैं इन प्रतिष्ठाओ के लिए सोचता हूं, और लोग कहते हैं, "कौन पचास डॉलर देगा? कौन बीस डॉलर देगा?" मैं सोचता हूं कि यह आपकी—आपकी ठानी हुई बुद्धिमानी है। मैं—मैं सोचता हूं कि लोग यह अनुभव करते हैं कि एक—एक सभा को चलाने के लिए—के लिए पैसे चाहिए। और उन प्रबन्धकर्ताओं को मैं ऐसा कभी नहीं करने दूंगा। मैंने कहा, "जब कभी आपको ऐसा करना पड़े, तब ये समय है मेरे लिए कि मैं वापस आराधनालय को लौट चलूं। इसलिए, हमें यह नहीं करना पड़ेगा।" परन्तु मैं—मैं सोचता हूं कि हमें धार्मिक सभा की व्यवस्था को पूरा बनाये रखने में—में प्रेम दान की थैली को आगे घुमाना ही है।

17 और इसलिए सम्भवत: वे लोग प्रत्येक रात्री छोटी चंदे की थैली को आगे से घुमाएंगे, कुछ इस प्रकार से कहिए, "खैर, अब हम लोग प्रेम दान को लेते हैं।" और वे प्रेम दान की थैली को घुमाएंगे, और यही—यही इसका अंत होगा।

18 और यदि प्रभु चाहेगे, प्रत्येक रात्री, मैं सोचता हूं कि प्रभु ने मेरे ह्रदय में कलीसिया के लिए विशेष संदेश रखा है। मैं कई दिनों से प्रार्थना में हूं। और मैं उसमें नहीं जाऊंगा, क्योंकि उस दिन एक महान घटना घटी जो कि सच में महान है। और मैं उसे आपको बताने के लिए व्याकुल हूं। और अब, मैं समझता हूं, कि वह खास विषय जिसके लिए अधिकतर सब लोग, बिली ने बताया, *विवाह और तलाक* के लिए कह रहे थे। जो, कि एक महान—एक महान विषय है, और मैं—मैं नहीं जानता था कि उसे कैसे आरम्भ करूं। और इस विषय में मैं प्रार्थना करने के लिए गया, और प्रभु ने मुझसे भेंट की। और मैं जानता हूं कि मैं, द्वारा,... मेरे पास यह नहीं था, परन्तु

परमेश्वर मुझे दे चूका है; अब मेरे पास है। परमेश्वर ने मुझे ठीक उत्तर दिया है, देखिए, देखिए, और मैं—मैं जानता हूं कि यह सच है।

19 और इसलिए मैं अभी तक ठीक से नहीं जानता, हो सकता है, कि रविवार को मैं अपनी बहनों से कहूं कि वे अपने इस सभा में ना आये, परन्तु मैं—मैं नहीं जानता। यह निर्भर करता है यदि विवाहित स्त्रियां अपने पतियों के साथ आना चाहे। इसमें—इसमें कुछ जीवन सम्बन्धी वास्तविक बातें बताने के लिए है, सत्य के विषय में, और कैसे... और इसलिए हम इस **यहोवा यों कहता है**, को बिल्कुल वैसे ही रखना चाहते है, तब आपको यह मिल जाता है। तब आप जान पायेंगे कि सत्य क्या है। और इसे करने के लिए मैं उस पर विश्वास कर रहा हूं।

20 और, अब, मैं एक दिन यहां पर रेस्टोरेंट में खाना खा रहा था, और—और जैरी और वे सब आपको ढूंढ रहे थे। उन्होंने कहा, "भाई, हम... " कोई, लड़को में से एक ऊपर था, बोला, इस व्यक्ति ने कहा, "मैं इस सप्ताह बहुत अच्छी तरह से आने वाला हूं," बोला, "उन्हें मिला... या, इन अगले दो सप्ताहों में।" कहा, "उनकी बास्केटबाल की एक—एक सभा है, या कुछ और चीज।" कहा, फिर बोला, "ब्रंहम वहां पर एक सभा करने जा रहे है।" वह बोला, "मैं सब लोगों को खाना खिलाऊंगा।" वहां पशुओं की चरगाह की ओर एक स्थान हैं। और वे... बहुत ही अच्छे लोग थे।

21 और मैं आप सब की सराहना करता हूं, क्योंकि उन्होंने निश्चय ही आप की बड़ाई करी और आप लोगो के विषय में अच्छी बातें कहते है।

22 उस प्रात: प्रबन्ध मुझे चारागाह वाले मकान पर मुझसे मिला। मैं एरीजोना से लगभग ढाई बजे वहां पहुंचा। और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आप ठीक है," बोला, "मैं सुनता हूं कि आप दूसरी सभा करने जा रहे है।" वह बोला, "मुझे कुछ अतिरिक्त सहायता मिल गयी है," उसने कहा। और बोला, "अब मैं आपसे कुछ कहना चाहता हूं, कि वे लोग जो वहां से आये थे," बोला, "वे सच में ही बहुत अच्छे लोग हैं।" अब, मुझे आपके विषय में सही में बहुत अच्छा लगा, देखा।

क्योंकि, कुछ भी हो, मैं इस तरह अनुभव करता हूं कि तुम लोग मेरे छोटे बच्चे हो, और मैं—मैं, या याने, बच्चे हो। और इसलिए मैं... *किड* बकरी के संदर्भ में है, और आप लोग बकरी नहीं हैं। आप लोग मेरे मेमने हो। यह कैसा है? आप लोग प्रभु के मेमने हो जो मुझसे खाना खिलवाता है। और

मैं विश्वास करता हूं कि वह—वह जो... कि वह मुझे यह करने देगा। हम मार्ग में आगे बढ़ रहे हैं।

23 और उन सात मोहरो के समय से मैं चाहता रहा हूं कि इस *विवाह और तलाक* के विषय पर बोलूं। आप जानते हैं, वो भेद... सारे भेद उन के अन्दर खुल जाने थे, उन सात मोहरो में खुल रहे है, बाईबल के सारे भेद। और मैं अब सोच रहा हूं, कि मैं बूढ़ा हो रहा हूं, मैं—मैं सोचता हूं मैं... मैंने सोचा कि अच्छा होगा कि कम से कम मैं इसे टेप पर अंकित कर दूं, चाहे मुझे कुछ हो भी जाये, तब कलीसिया चकित हो सकती है, "सन्देह कर सकती है कि उसके मस्तिष्क में क्या था। वह क्या कहेगा? " और वह सारे विषय जो कि बहुत कठिन लगते हैं; मैं सोचता हूं, ... प्रभु की सहायता से, मैं आपको उन्हें बताने की कोशिश करूंगा। और तब—तब यदि कुछ घटित होता है, और यदि ऐसा हो कि उसके आने से पहले मैं जाता हूं, तब आपके—आपके पास यह अंकित या रिकॉर्ड किया हुआ होगा।

24 मैं सोचता हूं कि हमने कुछ नई पुस्तकें निकाली हैं। मैं बहन वायल को देखता हूं; मैं नहीं जानता कि डॉक्टर यहां पर है या नहीं। बहन वायल, वह यहां है क्या? हो सकता है वह सभा में है। मैं उन्हें नहीं देख पा रहा हूं। लेकिन, ओह, हाँ, वहां पीछे है। और भाई वायल ने एक पुस्तक लिखी है, और वह... मैंने सोचा, मैं सोचता हूं आज उन्होंने कहा, दो। भाई वायल, क्या यह ठीक है, यहां अब आपके पास दो है? दो पुस्तके। अब, मैं नहीं जानता, मैं... जिस तरह से मैं समझता हूं, कि प्रत्येक व्यक्ति को एक मिलेगी। इसलिए मैं... यदि आप... मैं इसी तरह से समझता हूं। मैं इसमें गलत भी हो सकता हूं।

25 और तब *सात कलीसिया काल* पूरी हो गयी है (भाई वायल, क्या यह ठीक बात है?) और अब छपाई में है। और मैं जानता हूं आप उसे लेना चाहेंगे, क्योंकि बहुत सारे प्रश्न जो आपके हृदय में है उनके उत्तर वहां पर हैं। और तब उसके पश्चात, हम प्रयत्न कर रहे है कि *सात मोहरों* को खोले, पुस्तक में, आप जानते हैं, इसलिए कि हर कोई उसको इस रूप में पढ़ सकेगा जो—जो वे चाहते हैं, कि समझ सके और उसका अध्ययन कर सके। मैं सोचता हूं जब यह लिखी गयी, यदि यह...

26 पहले, हमने इसे टेप पर से उतारा, जिस प्रकार से इसे लिखा गया या बोला गया। आप जानते हैं, आप उपदेश दे सकते हैं, यह एक बात है, और

तब पुस्तक लिखना यह दूसरी बात है। देखिए, जैसे कि मैं एक विषय को लेने पर हूं, जैसे कि मैं आपसे कहूंगा, आप समझे, मैं आपसे कहता हूं, "अब, सर्प का वंश," समझे।

अब, पुस्तक को पढ़ने वाला, यदि आपने उसे लिया, तो आप सोचेंगे, "सर्प वंश क्या होता है?" देखा? और वे नहीं जान पायेंगे। यदि ऐसा हो जाये कि वह प्रिंसटन जैसे स्थान में पहुंच जाये या कहीं तो, और वे—वे सोचने लगेगे कि हम बुद्धिमान लोग नही है।

इसलिए मैंने भाई वायल को लिया कि एक तरह से मेरी सहायता करें और विचारधारा को एक क्रम में रखें, और इसे व्याकरण में कर दें। और मुझे निश्चय है कि मेरा व्याकरण... उनके लिए एक भेद होगा, काफी हद तक, ठीक है। इसलिए... भाई वायल इसमें बहुत सही हैं, इसलिए वह एक तरह से...

27 और तब इसमें, मैं सोचता हूं कि हमारे मूल्यमान भाई किसी तरह से, कुछ अधिक प्रेरित हुए, और वह बोले कि वे अपनी कुछ एक और पुस्तके लिखने जा रहे थे, उनसे हट कर, जैसे। और इसलिए उन्होंने, मैं विश्वास करता हूं, एक लिखी जो *बीसवीं सदी का भविष्यवक्ता* कहलाती है, और दूसरी मैं सोचता हूं, *लौदीकिया कलीसिया*, या कुछ तो और इसी तरह से।

28 और आज रात्री बिली ने मुझे यह बतलाया, कि मैं विश्वास करता हूं कि आज कई हजार पहुंच चूकी है; कोई तो टेक्सास से उन्हें लेकर आया है। और इसलिए, वे यहां होगी। और वे इसकी घोषणा करेंगे, मैं सोचता हूं, कि वे जो कुछ भी होंगे। मैं सोचता हूं उनकी किसी ने जिम्मेदारी ली हैं। मुझे पक्का नहीं है। और यदि वे हैं, तो वह आपको दे दी जायेगी, मुफ्त भी, आप समझे। और हम आशा करते हैं कि आप इससे आनन्दित है। और यदि आप हैं, तो पीछे भाई वायल से हाथ मिलाइए और उन्हें बताईये कि आप उसकी कितनी सराहना करते हैं। मैंने इसे स्वयं कभी नहीं पढ़ा है। यदि मैं उन्हें पढ़ूंगा, तो हो सकता है इस विषय में मैं अपनी विचारधारा बदल सकता हूं, इसलिए मैं इस सप्ताह में उन्हें पढ़ने का यत्न करूंगा, यदि हो सका, मुझे अवसर मिला तो।

29 अब बुधवार की रात होने पर, अधिकारिक रूप से हमारी सभाये कल आरंभ होती है। परन्तु मैं सोचता हूं, कि जब मैं आपके बीच में ही हूं, मैं—मैं—मैं ऐसे ही घर पर बने नहीं रह सकता और—और जानते हुए कि आप

सब यहां पर है। मैं... जैसे आप जानते हैं, कि आप लोगो के रिश्तेदार यहां आये हैं, आप जानते हैं, और आप लोग गली के छोर तक उनसे मिलने के लिए दौड़े जाते हैं, आप जानते हैं। और—और मैंने—मैंने सोचा कि मैं जल्दी से जाकर और—और आपका जैफरसनविले में आपका स्वागत करूं। और इसलिए इस पिछले सप्ताह मैं लगभग...

नहीं, मैं मुझे क्षमा करे, यह लगभग तीन सप्ताह पहले, मैं घर आया हूं। मैं बाहर था कि यत्न करूं... एरीजोना में होते हुए कुछ वहां सभाओं में था, और मैं वापस आ गया कि विश्राम के लिए यत्न करु। और मैं शिकार यात्रा पर चला गया, और मैंने—मैंने एरीजोना प्रदेश का बड़ा सिंह मार लिया। मैंने उसे मारने के लिए बीस मील पेड़ो के जंगल में दौड़ाया।

30 परन्तु तब यह सोचकर, यदपि, मैंने कभी नहीं सोचा जब मैं एक छोटा लड़का था... बस यह दिखाऊं कि कैसे यह बातें घटित होती हैं, महीनों के लिए जब हम वहां थे, प्रभु ने हमें वहां छोटा सा स्थान दिया, और बालको के लिए विद्यालय।

मैं एक छोटा लड़का था। मुझे लगता है आज रात्री जिमी पूल यहां है, हो सकता है, बड़े जिम, उसके पिता यहां पर है। हम विद्यालय एक साथ गए, और मुझे याद है, जैसे कि हम छोटे–छोटे बच्चे चिथड़े पहने वहां बैठते थे, और जूते, टेनिस के जूते पहने हुए, जिनमें से पंजे बाहर निकले रहते थे; एक से कागज मांगते थे, और दूसरे से पेंसिल।

31 मैं कविता लिखा करता था। और श्रीमती वुड, जो यहाँ, मुझ से दोपहर बाद टेप पर मेरी पुरानी फोर्ड रटवाया करती थी, आप जानते हैं, और यह—यह अच्छी वाली है। अब, उन्होंने कहा, "भाई, तुम्हे इसे श्रीमान फोर्ड को भेजना चाहिए।"

मैंने कहा, "मैं विश्वास करता हूं, कि इसमें बहुत सत्य है," सामने से खड़खड़ाने के विषय में, और गेयर में चक्की है, और चालक पहिए वाले गियर में चीन की पहेली। परन्तु मैं तो बस... यह—यह एक... परन्तु मैंने हमेशा एक बात कही, जो मुझे करनी थी कि चारो पहिए गिनो, और इसे इतना धक्का दो कि चालू हो जाये और तब उसमें घुस जाओ। मैंने कहा, "यह बहुत अच्छा था जब मैं पहाड़ी चढ़ाई पर उसे चालू करता, उसे बस बहुत धीरे–धीरे खीचता, यह कहते हुए, 'मैं सोचता हूं कि मैं कर सकता हूं, मैं सोचता हूं कि मैं कर सकता हूं, मैं सोचता हूं कि मैं कर सकता हूं।'

तब दूसरी ओर से यह कहते हुए, शुरू करता, 'मैंने सोचा कि मैं कर सका, मैंने सोचा कि मैं कर सका।'"

इसी प्रकार से हम *यात्री की उन्नति* की तरह इस पहाड़ को खींचते हैं। इसलिए हम...

32 मेरे पास एक छोटी कविता, जो मैंने लिखी, कुछ इस प्रकार से। और कहा... अब, जरा सोचिए, मैं लगभग बारह वर्ष का था। और उस दिन वहां पर खड़ा हुआ, उस पर्वत श्रेणी को देख रहा हूं, और सोच रहा हूं कि, "सिंह यहाँ गुफा वाले कमरे में बैठा हुआ है, और खिड़की से बाहर देख रहा है," एक कांच की खिड़की में। मैं एक छोटी कविता के विषय में सोच रहा था। मैं वापस गया और इसको कुछ इस प्रकार से लिया। जरा सोचिए परमेश्वर कैसे...

33 क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर सारी प्रेरणाओं में है? परमेश्वर को गीत लिखना है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर गीतों में है? यीशु ने ऐसा कहा है। उसने पीछे से दाऊद का उल्लेख किया, "क्या तुम नहीं जानते कि दाऊद ने अपने भजन संहिता में क्या कहा? आप देखिए, क्या ऐसा नहीं... "

34 उसी क्रूस की ओर देखो। दाऊद ने इसे 22वे भजन संहिता में गाया, "हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? मेरी सारी हड्डियाँ, वे मुझे घूरते हैं। उन्होंने मेरे हाथ और पैर छेद दिए हैं।" आप जानते हैं, और यह एक भजन था। भजन संहिता का ये एक—ये एक गीत है।

35 और इस कविता में, जरा देखिए कि यह कैसे हुआ। वहां एक छोटा बालक मांगे हुए कागज के पन्ने के साथ बैठा है, मैंने कहा:

मैं अकेला हूं, ओह, इतना अकेला वहां दूर दक्षिण पश्चिम में,
जहां पहाड़ के शिखर पर गहरी छाया पड़ती है।
चारों ओर गुलाबी धुन्ध में, मैं छिपे हुए भेडिये को देख सकता हूं,
मैं वहां जहां लम्बी घास है भेडियें को शोर मचाते हुए सुन सकता हूं।
और कहीं पर्वत श्रेणीयों में सिंह का गुर्राना सुन सकता हूं,

वहां दूर एरिजोना के केटालाईन पर्वत श्रेणियों में।

36 चालीस वर्ष पश्चात, मैं वही पहाडियों में बैठा हुआ हूं, कि सिंह मेरे मुख की ओर ताक रहा है।

हे परमेश्वर, वहां नदी के पार कहीं तो वह देश है, मित्रों। वह वहीं... वह वहीं कहीं है। समझे? वहां—वहां उसके विषय में बहुत कुछ बताया गया है। यह सारी बातें ऐसे ही कल्पनाये नहीं है; वे... वे सही हैं वह यर्थात है। मैं आज रात्री इन लोगो के साथ प्रसन्न हूं, जिनके लिए मैं आशा कर रहा हूं कि मैं वहां सदा उनके साथ जीवित हूं, जहां फिर कोई बीमारी ना होगी, या मृत्यु, या अलग होना। और तब यात्रा हमारे लिए कुछ भी नहीं होगी।

37 अब, मैं सोचता हूं कि कोई भी प्रार्थना सभा बिना वचन के पढ़े पूरी नहीं है और थोड़ा सा...

भाई नेविल, मैं अभी यहां चलकर आया। बिली ने कहा आप चाहते हैं कि मैं बोलूं। भाई नेविल, क्या यह बात ठीक थी? [भाई नेविल कहते हैं, "आमीन। जी हां। निश्चय ही।"—सम्पा।] मैं, हो सकता है, जितना दिया गया था, उससे अधिक लिया हो, परन्तु मुझे—मुझे इस बारे में मुझे बहुत अच्छा लगा।

इसलिए, अब, आप जिन्हें गाना है और दूसरी चीजें करनी हैं, आप भाई नेविल से मिले कि आप कब गाना गायेंगे, और तब बस इसे वहां पर ले ले। और पहले लगभग आधा घंटा प्रारंभिक तैयारी के लिए, और तब सीधे संदेशो की ठीक गहराई में चलते है और देखें कि हम क्या देख सकते हैं कि प्रभु क्या करेगा। और मैं केवल विश्वास करता हूं...

38 मैं—मैं विश्वास करता हूं हमारे पास सच्चाई है। मैं इससे संतुष्ट हूं। मैं विश्वास करता हूं कि गेहूं, बिल्कुल, छिलका इससे अलग हो रहा है। आप जानते हैं। और, देखिए, कल रात मैं इसके ऊपर छोटी सी प्रस्तावना दूंगा, देखिए, किस प्रकार से छिलका गेहूं से अलग हो रहा है। परन्तु गेहूं को पुत्र की उपस्थिति में रहना है, ताकि पके। और मित्र यही है जिसके लिए हम यहां पर हैं, पुत्र की उपस्थिति में तब तक बने रहे जब तक हमारे लोगों का यह छोटा सा झुण्ड, जब तक मसीह के लिए पक ना जाये, और ये उसकी मेज की रोटी ना हो जाये। यही है जो मैं चाहता हूं कि ये करे।

39 और अब कविताओ और आदि–आदि को याद करने के पश्चात, इससे पहले कि हम वचन की ओर चले, आइए हम फिर से प्रार्थना करें। तब हम

विषय को लेने जा रहे हैं।

40 प्रिय यीशु, अब आज रात्री इन थोड़े से वचनो में हमारी सहायता करें, जैसा कि हम आप पर निर्भर करते हैं। और हम प्रार्थना करते हैं कि आपकी कृपा और दया हमारे साथ होगी, प्रभु। और हमारे ह्रदयो को मुलायम करे; प्रत्येक छिलकों, काटों, झाड़ियां को दूर कर दे, परमेश्वर के आशीषित प्रकाश इन वचनो पर पड़े, प्रभु। और होने पाए हमारी सभा ऐसी शानदार हो, जब तक कि हमारे बीच में कोई भी व्यक्ति बिना उद्धार के बचा न रह जाए सारे बालक परमेश्वर के राज्य में होंगे। वे जो आत्मा के बपतिस्मे के बगैर है, होने दे कि वे इसे ग्रहण करें, पिता। होने दे कि वे सारे महान भेद जिनको हमें इस युग में जानना है, प्रभु, हमारे समाने बेपर्दा हो; और हम परमेश्वर की साधारणता को देखेंगे, ताकि हम जान सके कि हमें कैसा व्यवहार और कार्य करना है, अपने आप को ठीक करते हुए और अपनी देह के सदस्यो को वचन के नियम में लाते हुए, ताकि हम जान सके कि इन वर्तमान के दिनों में कैसे जीवित रहे, जब प्रभु यीशु निकट आ रहा है।

41 आज रात्री जैसे कि मैं आपका वचन पढ़ता हूं, प्रभु, मैं कम पढ़ा–लिखा हूं आपके कुछ वचनो को पढ़ने योग्य बनू, और हो सकता है दूसरों के लिए उच्चारण ठीक ना हो। परन्तु, प्रभु परमेश्वर, केवल आप ही इसमें से प्रसंग निकाल सकते हैं। केवल आप ही है जो यह कर सकते है। मनुष्य के लिए यह सम्भव नही—नही है कि कभी इसे कर सके; यह आपके हाथों में है, प्रभु। इसलिए हर रात्री उन चीजों को दे, जो कि आपके वचन में छिपी है, ताकि हम अच्छे मसीही बन सके और समय के अनुसार रह सके जिसमें हम रह रहे हैं, एक आदर्श मसीही की तरह। हम प्रभु यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

42 अब, आप में से बहुत से, जिनके पास बाईबले है, मैं चाहता हूं योना की पुस्तक निकाले। यह एक... हम लोग हमेशा योना के विषय में बहुत सारी बातें करते हैं कि वह पिछड़ गया और आदि–आदि। मैंने हमेशा योना का पक्ष लिया। मैं विश्वास नहीं करता कि योना पिछड़ गया था। मैं—मैं यह विश्वास नहीं करता। मैं केवल इतना विश्वास करता हूं... हम अक्सर इसका उपयोग करते हैं, कि कहते हैं, "वह एक योना है।" परन्तु यदि हम... मैं इसके दूसरे पहलू पर पहले ही बोल चुका हूं, जिसमें कि मैंने बताया कि कैसे मैंने सोचा, योना, उसके साथ क्या हुआ।

अब यहोवा का यह वचन अमितै के पुत्र योना के पास पहुंचा,

उठकर, और उस बड़े नगर नीनवे को जा, और उसके विरुद्ध प्रचार कर; क्योंकि उसकी बुराई मेरी दृष्टी में बढ़ गई है।

परन्तु योना यहोवा के सम्मुख से तर्शीश को भाग जाने के लिए उठा, और याफा नगर को जाकर; और तर्शीश जानेवाला एक जहाज पाया: और भाड़ा देकर उस पर चढ़ गया कि उनके साथ होकर यहोवा के सम्मुख से तर्शीश को चला जाए।

43 क्या यह एक दु:खित अंत नहीं है? *एक मनुष्य प्रभु की उपस्थिति में से भाग रहा है* और यही मेरा विषय है।

44 अब, पहले हम इस पर विचार करना चाहते हैं। योना था... वह कारण, विशेष कारण, जो कि मैं विश्वास करता हूं कि उसने यहां यह बड़ा कार्य किया, क्योंकि योना एक यहूदी था। और उससे कहा गया कि वह अन्यजातियो के शहर में जाकर उनके विरुद्ध यह ललकारे; यह सोचकर कि वह ग्रहण नहीं किया जाएगा। क्योंकि, अन्यजाति यह सोचेंगे, "इस यहूदी को हमसे क्या काम? " परन्तु, आप यहां पर दूसरी चीज देखिए, इससे हमें यहां एक बड़ी बात देखने को मिलती है, कि परमेश्वर केवल यहूदियों का परमेश्वर नहीं, परन्तु वह अन्यजातियों का भी परमेश्वर है। वह सब लोगों का परमेश्वर है।

45 उसने केवल यहूदियों को चुना। यहूदी परमेश्वर के चुने हुए लोग कहलाते थे। वह किसी विशेष कारण से चुने गए थे। और वह कारण यह था, कि उन्हें व्यवस्था दी जाये, और वे उसका पालन ना कर सके। और उसने उन लोगों के द्वारा दिखाया, कि व्यवस्था का पालन नहीं किया जा सकता, और वही एक—एक—एक धार्मिकता का परमेश्वर है। और व्यवस्था धार्मिकता की मांग करती है, परन्तु व्यवस्था में अनुग्रह नहीं था, कि एक मनुष्य को बाहर ले आये। व्यवस्था के द्वारा कोई दंड नहीं भरा गया था, परन्तु यह अनुग्रह ही के द्वारा दंड का भुगतान किया गया, या जहां पर व्यवस्था हमें अलग कर देती है।

46 और यहाँ योना को बुलाया गया था, जैसे कि यह, बाईबल का छोटा भविष्यवक्ता है, कि वह इस नगर को जाये।

और यहाँ पर हम सब अपना उदाहरण पाते हैं। हम में से प्रत्येक, हम किसी ना किसी चीज से भागते हैं, हम परेशानियो से भागते हैं, हम

जिम्मेदारियों से भागते हैं, हमारी—हमारी प्रवृत्ति ऐसा ही करने की हैं। हम—हम लोग—हम लोग किसी का सामना करने के, बजाये भागने की प्रवृत्ति अधिक रखते है। देखिए, हम बस, हम—हम—हम अपने को भागते हुए पाते हैं।

कभी–कभी हम अपने को काम से भागता हुआ पाते हैं। हम नहीं चाहते, हम काम करना नहीं चाहते। कुछ लोग सोचते हैं कि बिना कमाये ही वह अपना जीवन चला सकते हैं। परन्तु, मैं सोचता हूं, कि वह सुलेमान ही है जिसने कहा था कि हम चींटी को देखकर इसका उत्तर पा सकते हैं।

47 आप जानते हैं, एक छोटी चींटी मुझे बताती हैं यदि वह (प्रत्येक) चींटी काम ना करे और जमा ना करे, तो याने वह चींटी उस जाड़े की ऋतु में खाना नहीं खाती। इसलिए, हर एक को कार्य करना है।

48 हमारे पास बहुत सारी चीजे है जिन्हें हमें करना है, बहुत सारी जिम्मेदारियां है जिनका सामना करना है। प्रत्येक को किसी निश्चित जिम्मेदारी का सामना करना है।

49 जब आप—जब आप अपनी पत्नी के चुनाव के लिए—के लिए आते हैं, कि विवाह करे, या पति को चुने, तो आपकी—आपकी एक जिम्मेदारी है। और तब आपको याद रखना चाहिए... हो सकता है आप एक घर बनाये; यह एक अच्छा सुंदर घर हो। और तब, विवाहित स्त्री होने के नाते सोचे, आपको बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी के लिए सोचना है। और तब आपको उन सुंदर चिकनी साफ दीवारों के लिए सोचना है कि इस सारे पर नन्हे, गंदे हाथो के निशान लगने वाले हैं। तब आपकी जिम्मेदारी उन अपने बच्चों को पढ़ाने की है। आपकी जिम्मेदारी कपड़े पहनाने और खिलाने की है।

50 हर चीज जिम्मेदारी है। और यह बहुत सरल है, जब जिम्मेदारियां हमारे सामने आये, तो उनसे बचे। और हम पाते हैं कि विवाह एक जिम्मेदारी है, और सारे शिष्टाचार में।

51 यहां तक कि, बहुत सी बार, हम पाते हैं... यह कहने में सख्त है, परन्तु यह सच है, बहुत सी बार, सेवक लोग परमेश्वर के सच्चे वचन के पक्ष लेने की जिम्मेदारी से बचते हैं, जब उनका सामना उससे होता है। वे उस जिम्मेदारी से भागेगे। जब हम मनुष्यों के सामने परमेश्वर के वचन की

सच्चाई लाई जाती है, हमारे पास... हम जब तक अन्तिम सहारे तक नहीं पहुंच जाते हम भागने की प्रवृत्ति रखते हैं।

52 मैं अपने छोटे भतीजे से वहां पर बात कर रहा था। वह एक कैथोलिक है, और वह... और मैंने कुछ वर्ष पूर्व उस लड़के को बपतिस्मा यीशु मसीह के नाम में दिया, और उसके किसी छोटी लड़की के साथ हो गया और वह कैथोलिक बन गया। और मैंने उसकी मां का हाथ पकड़ा जब वह वहां पर मर रही थी। उसने मुझसे अंतिम शब्द कहे, "मेलविन की देखभाल करना।" और वह स्वप्न देख रहा था। वह तो नहीं कर सकता... हर, हर दिन, पिछले सप्ताह, वह सपने देख रहा था। बोला कि, "मैं आपकी कलीसिया में आऊंगा, अंकल बिल, और आप वहां खड़े प्रचार कर रहे थे। मैं पाप स्वीकार करने के लिए दौड़ा आऊंगा। मैं जाग जाऊंगा।" उसने कहा, "मैं—मैं गलत रहा।"

मैंने कहा, "मेलविन, तुम्हे इसका अर्थ बताने की आवश्यकता नहीं है। तुहारा स्थान वहां नीचे है जहां से तुम सम्बधित हो।" यह ठीक बात है। देखा?

53 परन्तु जिम्मेदारियों का सामना करने के लिए, कभी–कभी यह हमें छिपने के लिए दूर ले जाता है, ऐसा करने के लिए। एक पिता होने के नाते, जिम्मेदारियो का सामना करने के लिए, अपने बच्चे को कोड़े लगाते है। उन छोटे बच्चो के साथ, आप ऐसा करना नहीं चाहते। परन्तु एक पिता या माता होने के नाते, उस बच्चे का लालन पालन करने के लिए आप जिम्मेदारियो का सामना करते हैं, क्योंकि बाईबल ने कहा, "जो बेटे पर छड़ी नहीं चलाता वह उसके पुत्र को बिगाड़ देता है।" और यह आज भी संसार में हर मनोवैज्ञानिक की दृष्टि में अच्छा है। परमेश्वर का यह सत्य अब तक बना हुआ है। यदि इसका अधिक प्रयोग किया जाता, तो हमारे यहां इतने बाल अपराध और बकवास, और सड़ाहट जो आज संसार में है ना होता। परन्तु परिवार के पुराने सुनहरे नियम बहुत समय पहले तोड़ दिये गये, और वे बच्चों को जो भी वे चाहते हैं करने देते है।

54 परन्तु और भी जैसा मैंने कहा, सेवको, वे सत्य के आमने–सामने होंगे, और तब इससे दूर चले जायेंगे। देखिए, वे—वे कुछ... वहां कुछ ऐसा प्रतीत होता है कि वे—वे इसका सामना नहीं करना चाहते हैं।

55 बहुत सी बार मेरे पास लोग आकर, कहते हैं, "भाई ब्रंहम, मैं जानता

हूं कि यह ठीक है, परन्तु यदि मैं ऐसा करूं, तो वे मुझे गिर्जे से बाहर निकाल देंगे।" इससे क्या? यदि आप नहीं करते हैं, तो वे आपको वहां बाहर निकाल देंगे। इसलिए आपको कहीं बाहर निकालना ही हैं, देखा। इसलिए हो सकता है आपको इसका सामना करना हैं, बजाये इसके कि इससे भागे और कहे, "भाई, मैं *यहाँ* जाऊंगा। मैं वापस नहीं जाऊंगा।" वापस जाना, निश्चय ही, कुछ और सुनना है।

लेखो में ढूंढो। यीशु ने कहा, "शास्त्रो में ढूंढो, तुम सोचते हो कि उसमे तुम्हे अनन्त जीवन मिलता है, और वही हैं जो मेरी गवाही देते हैं।" परन्तु हम पाते हैं कि लोग इससे सामना नहीं करेंगे।

56 परमेश्वर की उपस्थिति में लाये गये, और देखते है जब परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है, और परमेश्वर उस प्रतिज्ञा के लिए बाध्य है। और जब वह प्रतिज्ञा को पूरा करता है, तब लोग उस संदेश से जो उस समय के हिसाब से है जिम्मेदारी का सामना करने से डरते हैं। यह हम सब जगह पाते हैं।

57 आप लूथरन के विषय में क्या है? कितने लूथरन डरे थे, लोग लूथर की सच्चाई से जब वह न्ययोचितता के साथ आयी तो उसका सामना करने से डरे? देखिए, इसकी क्या कीमत आपने चुकाई, हो सकता है आपका अपना जीवन बाहर निकाल कर और यीशु मसीह को स्वीकारना और—और एक—एक लूथरन हो जाना।

58 आप मैथोडिस्ट को देखिए, यह कैसे हुआ करता था, आप सब पवित्र–शोर कहलाये थे। मुझे लगता है आप यह जानते है। और वे आत्मा के प्रभाव में आ जाते, और आगे–पीछे झटका देते। और उन्होंने कहा कि उन्हें—उन्हें "झटके" लगते है। वह मैथ–... वह, नहीं, वह पेंटीकोस्टल नहीं है; बहुत वर्षो पहले वे मैथोडिस्ट ही थे। और वे भटकते, और हिलते, और परमेश्वर की सामर्थ के प्रभाव में गिर जाते। और उनके मुंह पर पानी डालते, और उन्हें पंखा करते, और सोचते कि वे मर गए। और, अब, आपको पवित्र–शोर मचाने वालों का समझा गया था। परन्तु आपके पास, आपके माता और पिता थे, या तो इसे ग्रहण करना था, सच्चाई और तथ्य का सामना करना था, या उसे छोड़ना था।

59 तुम पेंटीकोस्टलो का क्या हुआ जिन्होंने वरदानो को वापस पाया, जब पवित्र आत्मा का बपतिस्मा अन्य भाषाओ के बोलने के साथ आया, और आत्मा के वरदान कलिसिया में वापस आये? मेथोडिस्ट के लोगो ने

क्यों आपको बाहर निकाल देना चाहा, और उन्होंने यह कार्य किया। परन्तु आपको इसका सामना करना ही था। यह कुछ ऐसा था जिसे आपको करना था।

उस विवाद विषय का क्या हुआ, जब वह यीशु मसीह के बपतिस्मे के साथ आया, और आपने इसे देखा, यह बिल्कुल सत्य था? आपको इसका सामना करना ही है, या इसके लिए कुछ करना है।

आपके पास एक जिम्मेदारी है, हर एक के पास है, और आपको इन बातो का सामना करना है। ठीक है।

60 और जब आप इन दिनों में अब देखते हैं, कि परमेश्वर के वचन ने इन बातों की प्रतिज्ञाओ को किया है, जिनको अब हम होते हुए देखते हैं, तब हम पर जिम्मेदारी आती है कि या तो उसका सामना करें या उससे बच के दूर हट जाएं। आपको करना है... आप बस तटस्थ या बीच में बने नहीं रह सकते। इस विषय में आपको कुछ करना ही है। कहा... कोई तो कार्य करना ही है।

आप उस कलीसिया के दरवाजे के अन्दर आकर और उसी व्यक्ति के रूप में बने रहकर बाहर नहीं जा सकते। या तो आप और दूर चले जायेगे, या परमेश्वर के समीप आ जायेगे, हर बार जब आप अंदर आते है या बाहर जाते है।

61 ओह, लोगों के लिए यह कितना सरल है कि इन बातो से बचे! और मैं चाहता हूं कि हम इन बातों पर सोचे, जब हम अपनी निश्चित ठहरी सभाये कल रात्री आरंभ करते है, कि, मैं चाहता हूं आप ध्यान दें जब कोई चीज सामने आती है, यदि आप... यदि उस विषय में कोई प्रश्न है। यदि उस विषय में कोई प्रश्न है, तो उसका उत्तर भी है।

62 थोड़ी देर के लिए, मैं कहूं, मैंने कहा, मैं पश्चिम में जा रहा था, और तुमने मुझे *इस* ओर निर्देशित कर दिया। ठीक है, पहली बात जो आप जानते हैं, मैं अपने सही लक्ष्य से हट जाता हूं, और मैं भी... मैं उत्तर पश्चिम में हूं। ठीक है, क्या हो यदि कोई मुझे *इस* ओर निर्देशित करे, और मैं उस मार्ग पर चलूं? तो मैं फिर से अपने लक्ष्य से हट जाता हूं; मैं दक्षिण पश्चिम में गया। तो ठीक है, जब तक प्रश्न है, कि कौन से ओर पश्चिम है, तो कहीं पर इसका सीधा उत्तर है।

और जब यह प्रश्न हमारे सामने आते हैं, बाईबल की सच्चाई के विषय में, तो कहीं तो सही उत्तर है। यह ठीक है। कही तो होना ही है।

63 और जब हम देखते हैं कि कोई चीज सामने आयी, मैं सोचता हूं, कि बजाये इसके कहे, कहते है, "आह, निर्थक विचार! मैं इसका विश्वास नहीं कर सका। इस प्रकार की बात का मैं इसका विश्वास नहीं कर सका," क्यों नही आप बाईबल लेकर, और बैठे और इसका सामना करे? अध्ययन करें। आप यहां अब सभा में है, जरा इस पर ध्यान दे। अपने आप से जांचे, वचन के साथ। शब्द, शब्द करके जांचे, यही एक विधी है इसे करने के लिए। जो सत्य बताती है। और इसे उत्पत्ती से प्रकाशितवाक्य तक सत्य बताना ही है।

64 मसीह पूरी बाईबल का प्रकाशन है। उसमें, मसीह में, सारी परिपूर्णता। बाईबल की सारी भविष्यवाणियां बिना किसी शर्त के मसीह यीशु में पूर्ण हो रही है, क्योंकि वह शरीर में प्रकट हुआ परमेश्वर था।

65 तौभी, अब जब हम इन बातों को पाते हैं, हालांकि, जब हम आमने–सामने होते है और सभा में आते हैं, और परमेश्वर की सामर्थ को चलते–फिरते और काम करते, और आलौकिक कार्य करते देखते हैं, और देखते हैं कि इसने किए, और बाईबल में देखते है और देखते है कि इनकी प्रतिज्ञा इस समय के लिए है; तब जब हम इन चीजों को देखते हैं, तब हमारा सामना हमारी जिम्मेदारी से होता हैं कि हम इसे ग्रहण करे, जैसे कि मेरा अर्थ हम लोगो से है।

66 बहुत से लोग अब सहानुभूति प्रकट करते हैं, बहुत से लोग कहते हैं कि यह ठीक है। परन्तु इससे नही होता—इससे बात नहीं बनती... यह वह बात नहीं है जिसके लिए आप जिम्मेदार हैं। जैसा कि मैंने कहा, क्या हो यदि वहां...

67 यदि मैं एक नवयुवक था, अपने लिए विवाह हेतू पत्नी ढूंढता हूं; और यहाँ एक लड़की खड़ी हो जो हर योग्यता पूरी करती हो जिसको मैं सोचू कि इसे लेकर अपनी स्त्री बनाऊं। क्यों, आचरण से वह एक रानी थी, और सुन्दर, और—और बढिया व्यक्तित्व, एक सच्ची मसीही, हर चीज जो मैं एक अच्छी पत्नी के लिए सोच सकता हूं। इससे कोई मतलब नहीं कि मैं कितना भी कहूं कि वह सिद्ध है, वह बिल्कुल ठीक है, वह तब तक मेरी नहीं है, जब तक मैं उसे ग्रहण ना करूं और पत्नी होने के लिए उसकी

जिम्मेदारी ना लू।

68 बिल्कुल यही बात संदेश के लिए है। आप कह सकते हैं, "यह ठीक है, या *यह, वह,* या *कुछ*।" और कहे, "मुझे इसके साथ सहानुभूति है, मैं विश्वास करता हूं कि यह सत्य है।" परन्तु आपको इसे ग्रहण करना है; और इसको आपका भाग बनना है, और आप इसका एक भाग है। आपके पास है... तब, यह आपका है।

69 जब आप इस निश्चित स्त्री से विवाह करते हैं जिसको आपने चुना है, तब आप—तब आप एक हैं।

और इसी तरह से आप मसीह के साथ है। जब आप उसे प्रकट होते हुए देखते है और सही में करते हैं, तब आप उसका भाग होते हैं, और वह आपका भाग होता है। और, कुल मिला कर, आप संदेश का भाग होते है।

70 ओह, कितने ही संप्रदायिक जहाज हम पाते है कि आज के इन दिनों योना की तरह तर्शीश को जा रहे हैं, उनमें से नौ सौ, कुछ जहाज जिन्होंने सरल रास्ता लिया है। इससे सामना नहीं करना चाहते।

योना इन बातों से जो अन्यजाति में चल रहा है सामना करना नहीं चाहता। वह इस क्रूर संदेश को वहां ले जाना नहीं चाहता, "यदि तुम चालीस दिनों के अन्दर प्राश्चित नहीं करोगे तो तुम नष्ट हो जाओगे।" यह करना उसने पसन्द नहीं किया। और उसने सोचा, "उन अन्यजातियो को यह बताना कठिन कार्य है वे मेरे साथ क्या करेंगे।" परन्तु उसे इसका सामना करना था। देखा? परन्तु उसने सरल जहाज पकड़ा और तर्शीश चला गया, जहाज के निचले ढांचे में जाकर और सोने चला गया; सरल मार्ग लिया।

71 यह सरल मार्ग है, लोगों के लिए यह लोकप्रिय मार्ग है। यह बहुत सरल मार्ग है जहां लोग आपको पीठ थपथपा सकते है और कहे कि आप अच्छे व्यक्ति हैं, "और यह *ऐसा–और–ऐसा* है और *यह* है," और संसार आपकी ओर देखेगा। लोकप्रियता के मार्ग पर जाना सरल है।

परन्तु जब—जब आपको कुछ भिन्न करना होता है, जब आप अपने दृढ़ विश्वास पर स्थिर हो जिसे आप जानते हैं कि यह सत्य है, यह वही है जो कठोर भाग है, तब वहां रगड़ाई होती है।

72 ओह, जैसे कि हम प्राय: वह पुराना गीत गाते है:

जब सागर शान्त हो तो नाव खेना कितना सरल है,
यहोवा के महान बलशाली भुजा पर विश्वास करना।

परन्तु, ओह, लहरों को उठने दो, हवा को चलने दो—दो और जब लहरे थप्पडे मारे, तब आप क्या करते हैं?

73 कुछ इस प्रकार से जैसे मैंने एक बार बताया था, कि उस महिला ने कहा। उन पहले घोड़ो और बग्गी के दिनों में, उसने कहा कलीसिया से जाते समय, घोड़ा उनको लेकर दौड़ गया। बोली कि, "आप क्या कर सकते है? "

74 बोली, "जब तक रेखाये नही टूटी तब तक मैंने प्रभु पर विश्वास किया।" वही समय है, जब आप प्रभु पर विश्वास करे, हर एक के बाद... रेखाओं के टूटने के बाद। आप तब तक विश्वास करते हैं जब तक वे रेखाये टूट नहीं जाती। जी हां।

75 और इसलिए हम पाते हैं कि हमारे पास जाने के बहुत से सरल मार्ग हैं, जहाज तर्शीश को जा रहे है, क्योंकि यह आसान है, गैर–जिम्मेदारिया। आपके पास हर चीज आ रही है, वह अन्दर की ओर बहता है; हर कोई आपको पसंद करता है। और, हर व्यक्ति, आप एक... आपसे कोई असहमत नहीं है; आप किसी से असहमत नहीं है। अब, यदि वह बर्तन पोछने का कपड़ा ना हो! यह ठीक है। जी हां, ऊपर उठो, फडफडाओं! क्यों, कोई क्यों ना हो, मैं चिन्ता नही करता कि आप कौन हैं, और किस लिए खड़े हैं... सचमुच, अच्छे विचार वाले लोग आपके विषय में अधिक सोचेंगे यदि आप अपने दृढ़ विश्वास पर स्थिर रहेगे कि जो सही है। सही है। चिन्ता ना करे...

76 आप एक स्त्री को ले, हो सकता है वह बहुत आकर्षक ना हो, और वह जो कुछ भी है; परन्तु आप उस स्त्री को उसके स्त्रीत्व के सिद्धांतों के लिए स्थिर रहने दें, उसे स्त्री की तरह ही स्थिर रहने दें; और यदि एक मनुष्य में अपने ही लिए थोड़ी भी मानवता है, तो वह उसका पक्ष शुद्ध रूप में लेगा। बिल्कुल। हम उस चीज की सराहना करते हैं जो—जो की किसी में है, जिसका वे विश्वास करते हैं कि यह सत्य है और जो वह सोचते हैं कि यह ठीक है उसके पक्ष में खड़े होते है।

77 आज किस तरह से बहुत सारे मसीह जो ढीले–ढाले है, वह इतने अस्थिर से और बहुत कुछ, जब तक वे यह नहीं सोचते वह सब जो

वे करते है कि कलीसिया की सदस्यता लेना, कहीं जाना, अपना नाम रजिस्ट्रो में चढ़वाना, या कुछ छोटा–मोटा करना, ऊपर–नीचे कूदना, चिल्लाना, या—या ऐसा ही कुछ, और उसे मसीहत कहते है।

मसीहत प्रत्येक दिन एक उबड़– खाबड जीवन है, इस वर्तमान संसार में... परमेश्वर के लिए जीवित रहना। यह तो ह्रदय में निरंतर जलने वाली आग है, और परमेश्वर का प्रेम है, जो कि आपको लोगों के सामने रखता है और वह लगी हुई आग मसीह के लिए स्वधर्मी, और त्यागी बना देती है। जिम्मेदारियां।

78 परंतु जिस मार्ग पर संसार चल रहा उस पर चलना सरल है। धारा में साथ बहना सरल है।

वहां जाकर और नदी में अपनी नाव में बैठ जाओं। आप अपनी पतवार लेकर धारा के विरुद्ध खेना आरम्भ करे; अधिक समय नहीं बीतेगा और वह कठिन हो जाता है। परन्तु आप अपनी पतवारो को छोड़ दे और देखिए कि पेड़ कितनी जल्दी–जल्दी निकलते जाते हैं, पीछे की ओर, परन्तु देखिए आप कहां जा रहे हैं!

जब सब चीजें आराम से चल रही है, याद रखिए, आप किसी प्रकार एक—एक महान मोतियाबिंद की ओर बढ़ रहे हैं। आप गिरावटो की ओर जा रहे हैं, और अधिक समय नहीं बीतेगा जब तक कि आप उस गिरावटो की ओर पहुंच जायेगे। जरा सा संसार के साथ चलिए, मार्ग सरल होता है, आप वह नहीं चाहते हैं। नहीं, श्रीमान। परन्तु आपको जिमे–... अपनी जिम्मेदारी ग्रहण करनी चाहिए।

79 अब, आप इसका विश्वास करते हैं, और आपके पास... आप सोचते हैं कि यह सत्य है।

80 और जिम्मेदारियां जो परमेश्वर ने हमें इस दिन में दी है, कि इस संदेश को लाये! और जैसे–जैसे मैं बूढ़ा होता जा रहा हूं, और मैं जानता हूं कि मेरे दिन कम होते जा रहे हैं, मैं यह अनुभव करता हूं कि मेरी जिम्मेदारी पहले से जो मैंने कभी अनुभव की थी, अब अधिक है। बढ़ते जाओ, हमें यह करना ही है! हम जहां कहीं भी जाते है, हमें इस संदेश को ले जाकर बताना ही हैं; और—और लोगों को बताना है कि यीशु मसीह आ रहा है, कि वही परमेश्वर है और वह जल्द आ रहा है। अब संसार में प्रभु के आगमन को छोर कोई आशा नहीं—नही है।

81 वहां उन मित्रों को पीछे मुडकर देखता हूं जो कि मेरे साथ जब थे जब प्रभु का दूत... इन लड़को ने जो यहां बैठे हैं, मैं विश्वास करता हूं कि वह स्थान पा लिया है जहां यह घटित हुआ। और केवल याद रखिए कि उस दिन प्रभु ने भाई वुड से क्या कहा। जब वह पहाड़ पर चढ़ रहे थे। और—और वह एक प्रकार से रो रहे थे, क्योंकि उसकी पत्नी बीमार थी। और प्रभु ने कहा, "उस पत्थर को लो और उसे ऊपर हवा में फेंको, और कहो, '**यहोवा यों कहता है**।'" और मैंने यह किया। और भाई वुड एक गवाह के रूप में बैठे हुए है।

82 और मैंने कहा, "भाई वुड, अधिक समय नहीं बीतेगा कि आप कुछ घटित होते हुए देखेंगे।" और अगले दिन, जब हम सब वहां खड़े हुए थे... और उन लोगो का एक झुंड आज रात्री में भी ठीक यहां खड़ा हुआ है।

83 एक नवयूवक प्रचारक वहां था, और वह था... मैंने ध्यान दिया... मैं अभी एक रात्री पहले उससे मिला हूं। वह हमारे केम्प में था। वह हमारे साथ आया। और उसने मुझसे कहा, उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, क्या आप कभी इस प्रकार के दर्शन देखते हैं, जैसा कि यह है? "

84 मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान। परन्तु मैं यहां पर इससे अलग रहने आया हूं ताकि थोड़ा बहुत आराम कर लूं।" वह बोला... "अच्छा है, " मैंने कहा, "मैं—मैं... बिल्कुल, जीवनचर्या में वह मुझे चीजें यहां दिखाता है।" और मैंने कहा, "ठीक पहाड़ पर, यहां जहां सात स्वर्गदूत *वहां* प्रकट हुए।"

उसने कहा, "हाँ, मैं समझता हूं।" बोला, "मैं जो आपकी सभाए कैलिफोर्निया में हुई उसके प्रयोजको में से एक था।"

मैंने कहा, "अच्छा, मुझे यह जानकर निश्चय ही प्रसन्नता हुई है।"

85 और वहां खड़े हुए, तब ही मैंने चारों ओर देखा और मैंने एक भारी–भरकम डॉक्टर को देखा जो उसकी आंखों में देख रहा था, और मैंने उसे यह कहते सुना, "तुम अपनी यह आंख खोने जा रहे हो, क्योंकि उसमें एलर्जी है। और मैंने दो वर्षों तक इसका इलाज किया है, और आप इस आंख को खोने जा रहे हैं।"

मैंने कहा, "यही कारण है कि तुमने मुझसे यह पूछा, क्योंकि तुम्हारे डॉक्टर ने तुम्हें उस दिन यह बताया है कि तुम यह आंख खोने जा रहे हो।"

और उसने कहा, "यह ठीक है, " और उसने चारों ओर *इस* प्रकार से देखा।

86 और मैंने देखा उसकी माता ने अपना एक लम्बा मोजा उतारा और अपना पैर बाहर निकाला, जिसमें की उसके पंजो के बीच में छोटे–छोटे ट्यूमर लटक रहा था, उसकी टांग के ऊपर नीचे, और बोली, "यदि तुम भाई ब्रन्हम से मिलो, तो उनसे इसके लिए प्रार्थना करने के लिए कहना।"

मैंने कहा, "तुम्हारी माँ ने अपने हाथ से... अपना पैर *इस* तरह से बाहर निकाला, और उसने कहा कि उसे... उनके—उनके पंजे के बीच में छोटा सा ट्यूमर हैं, और इस तरह, और कहा, 'भाई ब्रन्हम प्रार्थना करे।'"

वह बोला, "भाई ब्रन्हम, यह सत्य है।"

87 मैंने पीछे देखा। जब मैंने पीछे देखा, मैंने उसे अपनी ओर उसकी चमकदार आँखों के साथ *इस* तरह देखते देखा। मैं उससे इस बर्फ गिरने के समय मिला; उसकी आंखें जितने भी केम्प में थे उन सब से अच्छी थी। प्रभु ने उसे चंगा किया था और अच्छा कर दिया।

88 जबकि मैं वहां खड़ा हुआ था, प्रभु ने कहा, उसने मुझे दिखाया कि क्या घटित होने जा रहा है। "न्याय पश्चिमी किनारे पर लागू होने जा रहा है।" और उसने कहा, "जाकर, उस आग वाले स्थान के पास खड़े हो।"

89 और मेरे हाथ में बेल्चा था; मैं वहां गया। और भाई रॉय रॉबर्सन, हम सब उसे यहां जानते हैं। वह आज रात्री यहां नहीं है, जैसा कि मैं जानता हूं; वह वहां एरीजोना में है। वह यहां ट्रस्ट का अध्यक्ष है, और मैं उसे एक अनुभवी के रूप में जानता हूं। और कुछ घटित होने जा रहा था; एक बहुत ही सुंदर, शांत प्रात: थी, प्रात: के लगभग दस बजे थे। और हममें से दस या बारह लड़के वहां थे, तम्बुओं को गिरा रहे थे, और सूअरों की खाल उतार रहे थे, और आदि–आदि। इसलिए हम... मैं वहां निकला, मैंने कहा, "रॉय, जल्दी से छिप जाओ, जल्दी से। कुछ घटित होने जा रहा है।" मैं इससे अधिक नहीं बता सका। परंतु समय पर मैं वहां पहुंचा...

और स्वर्ग से परमेश्वर का चक्रवात नीचे उतरा, और ऐसा धमाका हुआ, जैसे, कि पहाड़ हिल गए, पहाड़ पर घूमते हुए चारो ओर धरियां काट दी, मेरे सिर से लगभग पांच फीट ऊपर, और पेड़ों की सारी चोटियां काट कर अलग कर दी, जैसे कि चट्टानें टूट गयी। ऊपर हवा में गया और फिर वापस आया, उस दूसरे बडे बपतिस्मे के साथ, और पहाड़ पर टकराया, और इस तरह से चट्टाने उड़ा दी। यह तीन बार किया, और ऊपर आकाश में चला गया।

और भाई बैंक्स मेरे पास आए, कहा, "यह वही है जो आपने कल कहा? "

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान, यह बिल्कुल वही है।" देखा?

90 और तब दो दिन बाद, अलास्का लगभग वहां डूब गया। और वह पश्चिमी किनारा ऊपर और नीचे, गर्जनाए और झटके, और हर एक चीज घटित हुई। और किसी एक दिन वह सरकती हुई समुद्र के नीचे जाने वाली है। यह ठीक बात है। यह क्या है? हम प्रभु के आने के समय में रह रहे हैं।

91 जब हम वादों और चीजों को उठते हुए देखते हैं, और सब यह विभिन्न प्रकार की चीजें, हम जानते हैं कि कही इन सब का सही उत्तर है।

वहां बाहर देश के हिस्सो में लोग, गुफाओं और जगहो में जा रहे है, "और 16 मार्च को, " आपने अखबार में पढ़ा होगा कि, "प्रभु आ रहा है।" आप जानते हैं कि यह ऐसा नहीं है।

यीशु ने कहा, "कोई भी व्यक्ति उस मिनट या समय को नहीं जानता।"

92 जब हम देखते है कि यह सारी बाते, और चीजें जिस प्रकार से घटित हो रही हैं, और इनका कहीं तो सही उत्तर है। वहां कही तो भी सत्य को होना है। वहां एक है, पूर्व; और एक पश्चिम है; परन्तु एक पूर्व–दक्षिण है, और उत्तर–पश्चिम है, या कुछ और। परन्तु कही तो कोई सही उत्तर है, कहीं तो, इस प्रश्न का। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

93 इससे बचकर भागो? हमें लोगों को बताना चाहिए कि हम परमेश्वर के पुत्र के आगमन की घड़ी में रह रहे हैं। हम चाहते हैं हम ध्यान देना चाहते हैं और (परमेश्वर) हर समय मनुष्य को सही उत्तर देने के लिए तैयार हैं।

94 हमेशा इसी प्रकार से हुआ है। यह—यह मनुष्य में है, कि बचकर परमेश्वर से दूर भाग जाये, यह जब से आदम अदन वाटिका में था, चला आ रहा है। जब आदम अदन वाटिका में था, जब वह जिम्मेदारी में आया कि अपना चुनाव करे, चाहे वह परमेश्वर के साथ रहे या अपनी पत्नी के साथ चला जाए? उसको यह करना था जिम–... यह उसको करना था, यह—यह जिम्मेदारी उस पर थी। या तो उसको वह लेना था जो उसकी पत्नी ने कहा या जो परमेश्वर ने कहा। और जब उसने अपनी पत्नी के साथ जाने का मार्ग चुना, और जब उसने यह किया, तब उसने अपनी मूल अवस्था को खो दिया। और समस्त संसार को मृत्यु के अधीन कर दिया,

जब उसे अपनी जिम्मेदारी लेनी थी, या फिर नई ज्योति, जो उसकी पत्नी ने पायी थी, उसे ग्रहण करना जो कि विपरीत थी।

हे परमेश्वर! इस पर सोचिए। परमेश्वर ने उन्हें केवल आठ या दस वचन पालन करने के लिए दिए थे। "केवल उस वृक्ष से तू ना खाना।" उन्हें केवल इसी का पालन करना था। और यहाँ तक कि, बहुत वचन उन्होंने तोड़े।

तब आदम को सामना करना था, "क्या मैं—क्या मैं वह करूंगा जो मेरी पत्नी ने करने को कहा है, या मैं वह करूं जो परमेश्वर ने करने को कहा? " और वह अपनी खुली आंखो के साथ बाहर चला गया। उसे जिम्मेदारी लेनी ही थी। जिसने सारी मानव जाति को मृत्यु में डाल दिया।

95 तब वहां दूसरा आदम आया, जो कि मसीह था, उसके समान एक भी नहीं! कोई कहता है वह परमेश्वर नहीं था? उसकी विशिष्टता ने सिद्ध किया कि वह परमेश्वर था। कभी भी कोई जीवधारी उसके समान नही जिया था। वह अपने ही संसार में जीवित रहा। वह शारिरिक, प्रकृतिक के क्षेत्र से बाहर उत्पन्न हुआ। हाल्लेलुय्या! वह स्वयं अपना रचियता शरीर बना।

कौन है जो वहां खड़ा हो जहां वह खड़ा था? किसने उसके समान बाते की? कौन उसके समान बाते कह सकता है जो उसने कही? कौन उसके समान कभी काम कर सकता है जो उसने किए? उसकी विशिष्टता ने सिद्ध किया कि वह परमेश्वर था। कहीं भी कोई भविष्यवक्ता नहीं हुआ था कोई भी वह नहीं कर सकता जो उसने किया; कौन है जो मृत को कब्र में से वापस बुला सकता है, और कौन है आकाश को रोक सका, और कुछ भी करे जो भी वह करना चाहे। वह परमेश्वर था। कौन उसके स्थान पर खड़ा हो सकता है? कौन? वह कौन हो सकता है, केवल वह सिद्ध, अमरणहार परमेश्वर, शरीर बना और हमारे बीच वास किया!

96 उसकी तुलना किसी से नहीं हो सकती। वह अपने स्वयं के संसार में रहा। कोई भी मनुष्य उसके समान नहीं बोला। उसने जब भी अपना जरा सा मुख खोला, तब तो कुछ ऐसा भिन्न होता था, जो की किसी से भी भिन्न होता। किसी ने कहा वह तो केवल साधारण मनुष्य था; मैं इसकी परवाह नही करता। वह परमेश्वर था। वह यही था। क्योंकि, कोई भी मनुष्य कभी उसके समान नहीं बोला, कोई व्यक्ति उसके समान नहीं बोल सकता, क्योंकि वह जीवित वचन था स्वयं शरीर बना, परमेश्वर का

पूर्ण प्रकटीकरण।

97 मैं उन भविष्यवक्ताओं को स्वीकार करूंगा उनका संदेश उनके पास था। उनके पास वे तब थे; उनके पास वे अब है। परन्तु वहां परमेश्वरत्व की देह की परिपूर्णता थी, जो वहां प्रकट हुई थी। वह एक अनुपम था, और वही एक था जिसको विवाद विषय का सामना करना था। अपनी उस महान सामर्थ के साथ जो उसके पास थी, कि वह इस संसार का सर्वोच्च राजा था। वह होगा; और वह, अब अपने संतों के लिए है।

98 वह वहां खड़ा हुआ। कितना निर्धन मनुष्य होगा, कि सर रखने को भी जगह नहीं; जो यह भी जानता है कहाँ मछली ने सिक्का सटका है? वह क्या व्यक्ति हो सकता है जो बड़े घड़ो में पानी लेकर और उसे दाखरस में बदल दे, और अपने सिर रखने को जगह ना हो? उसे अपनी जिम्मेदारियों का सामना करना था जो कि उसके हाथो में सौंपी गई थी। क्या मनुष्य है जो चार दिन से मरे हुए और सड़े हुए मनुष्य को उठाकर खड़ा कर दे?

क्या वह अपने को नहीं बचा सकता था? बिल्कुल, वह कर सकता था; परन्तु यदि वह यह करता, तो वह हमें नहीं बचा सकता था। उसे अपनी जिम्मेदारियों का सामना करना था, और क्योंकि उसकी आज्ञाकारिता वचन के लिए थी! जबकि, आदम का आज्ञा ना मानना, और उसने वो—वो तर्शीश जाने का छोटा मार्ग लिया। परन्तु यीशु ने नीनवे का, अन्यजातियों का मार्ग लिया कि, अपने लिए दुल्हन ले ले। मैं प्रसन्न हूं कि उसने आज रात्री यह किया है। हमें सत्य का सामना करना चाहिए, कि हम उसके हैं, संसार को दूर हटाये। आमीन!

99 हर व्यक्ति को इसका सामना करना है, परमेश्वर के सामने यह उसकी जिम्मेदारी है। हम थोड़ी सी देर के लिए नूह को ले। उसकी थी। नूह, मूसा, एलिय्याह, और वह सब बाकी लोगो की—हर युग में उनकी जिम्मेदारी थी। और उन्हें यह करना था, केवल यही कारण था कि वे समय पर भेजे गए।

100 नूह को उसके वैज्ञानिक युग में देखिए, कैसे उसको बिल्कुल अवैज्ञानिक बात का सामना करना पड़ा था। क्यों, वहां एक—एक—एक भी कारण ना था यह क्यों नहीं अवैज्ञानिक हो सकता है... देखिए, बल्की यह—यह अवैज्ञानिक था। क्यों, उन्होंने कहा आकाश से वर्षा होने जा रही है। उनके ऊपर आकाश से कभी भी एक भी बूंद बारिश की नहीं पड़ी थी। अब, उसे

इसका सामना करना था। परमेश्वर ने कहा कि वर्षा होने जा रही थी। और तब वह...

101 तब विश्वास बिना कार्यो के मृत है, यदि आप कहते हैं, "मैं इसका विश्वास करता हूं," और कोई कार्य नहीं करते। जिस प्रकार की संदेश, आप कहते हैं, "मैं विश्वास करता हूं," कार्य नहीं करते, तो इससे क्या लाभ होगा? समझे? नूह अपने हथौड़े के साथ काम करने चला गया और जहाज बनाया, इसकी पुष्टि करने के लिए कि वह किस विषय में बात कर रहा था। यही हमें भी करना है। हमें काम पर जाकर, अपने विश्वास को सिद्ध करना है, अपने कामों के द्वारा। हमारे काम हमारे विश्वास को सिद्ध करते हैं।

102 मूसा को यही करना था, और एलिय्याह को यही करना था। हर भविष्यव्यक्ता को अपने युग में खड़े होकर और अपनी इन जिम्मेदारियों का सामना करना था। परन्तु बहुत से योना को पसन्द नहीं करते। वह भागा; वे नहीं भागे।

103 ध्यान दे, "इसके विरोध में चिल्लाये।" ओह, प्रभु! यह यहां है। यह विषय है, "इसके विरोध में चिल्लाये।" यह जांच का भाग है।

जरा वहां जाकर और उन लोगों को बताओ, "कहो, कि मैं भी तुम्हारे साथ शामिल होने आ गया हूं। आप जानते हैं, मैं विश्वास करता हूं मैं आपको बताऊंगा मैं क्या करूंगा। यहां मेरे पास एक छोटी सी चीज है, मैं विश्वास करता हूं मैं इसको बना सकता हूं... हम सब एक साथ मिल जाये, और *यह* करे, *वह* करे, या *कुछ* और।"

परन्तु, यह था, "इसके विरोध में ललकार थी," जब आपको किसी चीज के विरोध में चिल्लाना होता है। अब, उसे वहां हर चीज के विरोध में चिल्लाना था जो वहां थी; उस नगर के विरोध में चिल्लाना था, उनके कार्यो के विरोध में चिल्लाना था, उनके कलिसिया के विरोध में चिल्लाना था, उनके भविष्यवक्ताओं के विरोध में चिल्लाना था, उनके सेवको के विरोध में चिल्लाना था, उनके पुरोहितो के विरोध में चिल्लाना था। "सारी बातो के विरोध में चिल्लाना था! विरोध में चिल्लाना था!"

104 नूह अपने युग के विरोध में चिल्लाया। निश्चय ही, वह युग के कलीसियाओ के विरोध में चिल्लाया।

निश्चय ही मूसा अपने—अपने युग के विरोध में चिल्लाया; उन लोगो, पुरोहितो और वगैरा–वैगरा के। वह सारे रास्ते जंगल में चिल्लाया। हर दो राहे पर, वह चिल्लाया, लगातार लोगों पर चिल्लाया।

एलिय्याह अपने समय में बहुत ही अप्रिय था, क्योंकि वह उस युग के विरोध में चिल्लाया। निश्चय ही था।

105 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला अपने समय में अप्रिय था। वह अपने युग के विरोध में चिल्लाया। उसने राजा से कहा, उस—उस देश का—का शासक था; उसने—उसने, उसने अपने भाई की पत्नी से विवाह किया। एक प्रात:, उसे विवाह और तलाक पर प्रचार करना था। इसलिए वह इस विरोध में चिल्लाया, उसने कहा, "तेरे लिए उचित नहीं कि तू उसे रखे।" बाद में, उसे इसका भुगतान अपना सर कटवा कर करना पड़ा, परन्तु वह चिल्लाया और अपने कर्तव्य के स्थान पर खड़ा हुआ।

उसने कभी भी तर्शीश के लिए जहाज नहीं लिया, और कहा, "अच्छा हेरोदेस, मैं तुम से सहमत हूं। यह ठीक है। जब तक आप सोचते हैं कि यह अच्छी महिला है, वह आपकी अच्छी पत्नी बन सकती है, तो आगे बढिये।" ओह, दया, उन बरतन पोछने के चिथड़ो पर! देखा आपने, जी हाँ, बहुत छोटी चीज है, वह छोटी चीज, हुम्म! क्यों, वह कुछ नहीं है परन्तु उससे गंदी प्लेटो को साफ करते है।

106 परन्तु, ध्यान दें, यूहन्ना ऐसा नहीं था। उसने सीधे इसका सामना किया। उसने कहा, "तेरे लिए यह उचित नहीं कि तू उसे रखे।" जी हां, श्रीमान। और वह इसके विरोध में खड़ा हुआ।

107 वे कभी नहीं भागे। यूहन्ना भी नहीं। उन्होंने खड़े होकर और तथ्य का सामना किया। योना की तरह एक बार मूसा ने भागने का यत्न किया, परन्तु परमेश्वर उसे वापस ले आया। उनमें से बहुतों ने बचने का यत्न किया; वे आरम्भ करते...

परन्तु, देखिए, यदि परमेश्वर ने आपको बुलाया है, और आप निश्चित है कि परमेश्वर संदेश में है, तब कुछ भी आपको वापस नहीं फिरा सकता। इससे योना वापस नहीं हुआ। नहीं, श्रीमान।

108 पुराने समय का आमोस, चिल्ला उठा, कहा, "सिंह गर्जा कौन ना डरेगा? और परमेश्वर बोला, कौन भविष्यवाणी ना करेगा? " कौन भविष्यवाणी ना

करेगा, जब आप देखते हैं कि परमेश्वर बोलता है और कहता है कि अमूक बात घटित होगी, और वह यह है?

109 एक सिंह गर्जता है, हर कोई डरता है, जी हां, श्रीमान, यदि आपने कभी जंगल में एक दहाड़ सुनी हो। आप पिंजडो के पास उनकी म्याऊं सुन सकते हैं, उन पालतू सिंहो की, परन्तु आपको जंगल की मूल दहाड़ एक बार सुननी चाहिए। पांच सौ गज दूर से चट्टाने पहाड़ से गिर जायेगी। मैं नही समझ पाता कि यह डकारना कहाँ फेफड़ों में से आता है। और वह अपना सिर नीचे करता है, बालों को खड़ा कर लेता है; मैंने ऐसा कभी नहीं सुना... जैसे कि एक—एक पर्वत श्रेणी की लम्बी कतार, जब वहां अपने फेफड़ों की बड़ी दहाड़ से गर्जता है। कौन है जो ना डरेगा?

वे कहते हैं, यदि आप कभी सिंह द्वारा मारे जाये, तो यह दर्द रहित है। वह आपको डराकर ही मार देता है, इससे पहले वह आपको पकड़े। देखिए, आप इसका ध्यान नहीं देते है। वह आपको बड़ी भयानक दहाड़ से डरा देता है, और वह आपके ऊपर पलक झपकते आ पड़ता है।

110 उसने कहा, "सिंह गर्जा कौन ना डरेगा? और परमेश्वर बोला, कौन भविष्यवाणी ना करेगा? " जब आप देखते है परमेश्वर कुछ कर रहा हैं, आप कहते हैं... "मैं तो भविष्यवक्ता नहीं हो सकता... " योना ने कहा... "मैं भविष्यवक्ता नहीं हो सकता या भविष्यवक्ता का पुत्र। परन्तु परमेश्वर बोला कौन भविष्यवाणी ना करेगा? "

111 मैं भविष्यवक्ता नहीं हो सकता, मैं *यह*, *वह* नहीं हो सकता या *कुछ*। जब मैं देखता हूं परमेश्वर कुछ भी कर रहा है, और मैं देखता हूं कि यह वचन में है, और उसने इसकी प्रतिज्ञा की है, तो कौन शान्त और चुप रह सकता है? निश्चय ही, उसने यह किया है।

112 ना ही हम धार्मिक मतो के पीछे छिप सकते हैं और ना इन सब संगतियो में, और ना वहां तर्शीश में—में। हम उनके साथ संगतियों में जाना नहीं चाहते।

113 परन्तु बहुत से, आदम की तरह, वही कार्य करते हैं, कोई एक विकल्प ढूंढने का प्रयत्न करते हैं, किसी प्रकार से बचने का मार्ग पाने का यत्न करते हैं, और—और परमेश्वर का सामना करने के लिए विकल्प बनाते है। अपनी गलती जानने के बाद, सत्य का सामना किया, अपनी पत्नी के साथ चला गया और बिल्कुल वही किया जो कि परमेश्वर ने करने के लिए

मना किया। वह सीधा आगे बढ़ गया और कैसे भी वही किया। और तब उसने अपने को नंगा पाया, हव्वा और आदम दोनों, अदन वाटिका में है। उनकी आंखें खुल गयी। तब वे जान गए कि गलत और सही क्या था। और तब उसने विकल्प ढूंढने का यत्न किया, एक तरह से उससे अपने आप को ढांकने का।

अब, आज हम भी बस उसी तरह से करते हैं, एक बहाना, कहते हैं, "भाई, मैं आपको बताता हूं, यदि यह *यहां* था," या, "यदि *यह*," या, "*यदि*, *यदि*, *यदि*"! वह तो जरा... देखा? चाहे वह गलत हो या सही हो। परन्तु आपको उसका सामना करना चाहिए। और यदि यह सही है, तो हम उसके साथ रहें। यदि वह गलत है, तो उससे अलग हट जाये। बस। क्या ले... क्या सही है यह ढूंढीए। आप अधिक देर तक प्रतीक्षा नहीं करना चाहते। आइए हम मालूम करे कि सत्य क्या है और जो सही है, और उसके साथ बने रहिए। हम जानते हैं यह सत्य है।

114 अब, आज हम पाते हैं कि हमारे लोग कुछ ऐसे... यह ऐसा लगता है कि कलीसियाओ से सारी हृदय की सच्चाई जाती रही। मैं... में...

115 हम अपनी एक बहुमूल्य बहन के घर में रह रहे हैं जो इस कलीसिया में आई है। वह हो सकता है आज रात्री में यही बैठी हो। और वह अपने लोगो को... किराए पर देती है। और वह उस स्थान के प्रति हमारे लिए बहुत ही मधुर है, हमें उस स्थान को देने के विषय में। और इसलिए हम उसका नाम लेना चाहते थे, परन्तु हो सकता है कि मैं ऐसा करूं वह नहीं चाहती। और वह हमारे प्रति इतनी मधुर है, ठीक है, वरना हम निश्चित ही उसको प्रकट नहीं—नही करना चाहते। परन्तु वह बहुत ही, बहुत ही प्रिय महिला है। और वहां घर के कोने में, एक टेलीविजन रखा हुआ था। हमें छोटे, डुप्लेक्स मिले।

मेरे पास एक बड़ा परिवार है, और ढेर सारे नवयूवक, और हम... और आप—आप जानते हैं, और उन्हें पलंग चाहिए थे, और उनमें से बहुत सारे। और हर चीज ऊपर तक लगी हुई थी, और आपको *इसमें* से और *उसमें* निकल कर, अंदर या और बाहर जाना होता है।

116 और वहां पर उनके पास एक टेलीविजन था। और इस टेलीविजन में, यह बालक रविवार प्रात: एक तरह के मसीही गाने, जो उस पर आ रहे थे देख रहे थे। और, आप जानते हैं, यह—यह आपको लज्जित कर देगा;

यदि कही पर विशद्ध मसीहत नहीं थी, जिस पर कि आप अपना हाथ रख सकते थे, यह देखने के लिए कि मसीहत क्या कहलाती है। क्यों, ऐसा लगता है कि सारी ह्रदय की सच्चाई इससे जा चुकी है। क्यों, वे क्यों नहीं, वे नहीं लगते है... क्यों, ऐसा है कि वे भयानक मुद्रा में वे वहां खड़े होते हैं और अपनी मुठ्ठियां निकाल कर और एक दूसरे से वहां पर लड़ते, और मसीह गीत गाने की कोशिश करते है और इस प्रकार की बहुत सी चीजे; और ऐसे चुटकुले सुनाते जो कि शायद ही नाविक सुनाते हो, और सब प्रकार की बातें कहते, और छोटे बच्चे और करते जाओ। देखिए, मसीहत की—की—की पवित्रताई लगता है अपना स्थान खो चुकी है।

117 अब, मैं कलीसिया में जाता हूं और—और देखता हूं कि पास्टर वहां खड़े होकर और घोषणा करते हैं कि हमारा सामुहिक वहां एक—एक तैराकी कार्यक्रम होने जा रहा है। सारी स्त्रियां इन नहाने के वस्त्रों में होती है, वहां सब बाहर जा रही है। उनके यहाँ एक प्रतियोगिता होने जा रही है; इन तैरने वाली स्त्रियों की। और वह एक प्रकार की एक—एक दावत करने जा रही हैं, और वे बहुत सारे उन—उन मुर्गो को तला जायेगा, और बंको खेला जायेगा, और—और सब इस प्रकार की बातें। मेरे लिए, इससे विशद्ध ह्रदय की सच्चाई मसीहत से समाप्त हो चुकी है; चाहे किसी भी चीज से मतलब रखे।

118 मैंने यहाँ आते हुए देखा, हम पाते हैं... आप जानते हैं, हम यहां बहुत सारी बहनों को, इस ठंडे देश में छोटे कपड़े पहने देखते हैं, जितने कि बाहर गर्म देशो में भी नहीं पहनते। देखिए, यह सत्य है। बाहर वहां जहां सही में गर्म है, वहां बहुत सारे उनमें से यह नहीं पहनते। परन्तु यहां, जहां—जहां की ये ठंडा है, वे—वे यह करते हैं। देखिए, यह वे महसूस नहीं करते कि यह शैतान कर रहा है। देखा? अब, यदि यह सुविधा के लिए था, यदि यह अपनी सहायता के लिए था, तो यह भिन्न होता। मनुष्य होने के नाते, मैं सोचता हूं कि यह एक मनुष्य पर बीमारी सी लगती है, परन्तु—परन्तु आप—आप—आप एक पुरुष पर कोई ध्यान नहीं देंगे। परन्तु, महिला, उसकी—उसकी देह पवित्र है, और उसको उसे उसी प्रकार रखना चाहिए। और पुराने को देखे...

119 आज कल आप लोगो को देख सकते हैं। दो आत्माये है। और उनमें से एक पवित्र आत्मा है; दूसरा वाला अपवित्र आत्मा है, और एक उसके द्वारा

शासित है। और उमें दोनों ही धार्मिक है। अब, हाँ, यह अजीब बात है, कि वे दोनों धार्मिक है। और जिस तरह की ऐसाव और याकूब दोनों धार्मिक थे; जैसे कैन और हाबिल दोनों धार्मिक थे; जैसे कि यहूदा और यीशु दोनों धार्मिक थे, दोनों धार्मिक थे। और आज हम देखते हैं, दोनों पक्ष धार्मिक है। देखिए, यह एक ही आत्मा है। लोग मरते हैं, परन्तु आत्मा नहीं मरती। यह दोनों धार्मिक आगे बढ़ते है।

उनमें से एक पवित्र आत्मा अपने में रखता है, वह ऐसा जीवन जीता हैं जो कि उन्हें जीना चाहिए, और भक्ति और ईमानदारी से चलता है। वह आपसे एक पैसा भी नहीं झाड़ेगे, और वे—वे हर चीज ईमानदारी से करते हैं ताकि वह आपकी सहायता कर सके। और दूसरे जो करेंगे... जितना भी अच्छा जो वह कर सकते हैं।

और दूसरो को, हम पाते हैं, इसका ठीक उल्टा ही है। और, तौ भी, वे दोनों धार्मिक आत्माएं हैं, वे दोनों ही; एक, पवित्र आत्मा; और दूसरा, एक अपवित्र आत्मा। और यदि आपने ध्यान दिया हो, यदपि, वे अपने को धार्मिक होने का दावा करते है, वे आपका मज़ाक उड़ायेंगे और आपको एक पवित्र–शोर मचाने वाला कहते है। जो भी वह कर सकते हैं वे करते हैं।

120 वे, परमेश्वर के ना बदलने वाले वचन की उपेक्षा करते है, जैसे की मानो कि वह कभी लिखा ही नहीं गया।

देखिए, आप कह सकते हैं, "अब, यहाँ देखिए, यदि—यदि बपतिस्मा... "

"मेरे पास पवित्र आत्मा है!"

"और वहां हाथ में सिगार लिए पीते हुए खड़े हो? "

"जी हाँ, मेरे पास पवित्र आत्मा है! मैं नहीं सोचता कि थोड़ी सी पी लेने में कोई गलती है। मैं यह नहीं सोचता... " समझे?

और क्या आपने ध्यान दिया, "मैं नहीं सोचता"? परन्तु परमेश्वर भिन्न सोचता है, आप उसके वचन के अनुसार देखिए। समझे? देखिए, वे... और वे—वे साधारणता: वैसे ही है जैसे—जैसे उस पर थूकते है। यह बिल्कुल ठीक है।

121 जिस प्रकार कि यह छोटा अपंग व्यक्ति जो कि उस समय निकल कर आया, जब दाऊद अपने सिंहासन से निकाला जा रहा था। वह जैतून पर्वत

पर चढ़ रहा था, बाहर जा रहा था, रोता हुआ ऊपर गया, और मुड़कर पीछे देख रहा था। और यह बेकार छोटा व्यक्ति वहां खिचड़ता हुआ निकला और उस पर थूक रहा था। और उस अंगरक्षक ने कहा, "मैं... जो छोड़ दू कि उस कुत्ते का सिर उस पर रहने दू, और वह मेरे राजा पर थूके? "

दाऊद ने कहा, "उसे जाने दो।" देखिए, वे उस पर थूकते है।

122 लगभग आठ सौ वर्षों के बाद, उन्होंने उसके पुत्र यीशु मसीह पर भी थूका।

और आज वे उस पर फिर से थूकते। जैसे कि यदि वह अब भी नहीं केवल... अनादर पूर्ण, कोई मतलब नही, बस अपना मुख फेर लेते हैं और उससे दूर चले जाते हैं, और आपके सामने हंसते हैं। यह क्यों है? वह तर्शीश के जहाज पर हैं। यह सत्य है।

यह परमेश्वर की बुलाहट है कि आपको उनकी बुराई के विरोध में चिल्लाना है, पाप के विरोध में चिल्लाना है, जो बातें गलत है उनके विरोध में चिल्लाना है। अब, याद रखना, यही होगा।

हां, आप जानते हैं, यह समय। आप जानते हैं, हमारे समय में दो घंटे का फर्क है। और ट्यूसान में इस समय सात बज कर दस मिनट हुए है, और—और मैं एक प्रकार से एक तरह से—तरह से अब यहाँ अपने स्थान से अलग हूँ। हुंह? ठीक है।

123 अब याद रखिए, कि हमें इसके लिए उत्तर देना है। याद रखें, जो मसीह पर थूकते हैं, वे इसके लिए उत्तर देना हैं।

जब दाऊद अपने निर्वासन से वापस आया, जब वह भगौड़ा था, और जब वह वापस आया, याद करिए, यह व्यक्ति मुंह के बल गिर पड़ा और दया के लिए रोया। बाहर जाते समय, उसने दाऊद पर थूका, परन्तु जब वह वापस आया तो वह लगभग अपने आँसुओं से उसके पैर धोने के लिए तैयार था।

और एक वह जिन्होंने यीशु को छेदा है इसे दृष्टी करेंगे।

और जो आज उसको छेद रहे हैं, वह भी इसे देखेंगे। उनके लिए, यह किसी दिन वापस आयेगा। याद रखिए, प्रकाशितवाक्य 22, वह अपने हर वचन का पालन चाहता है जो उसने लिखा है; प्रत्येक वचन।

124 अब हम जानते हैं कि उसकी उपस्थिति यहां पर है। यह प्रमाणित हुआ है। ये हमारे पास है। इस आने वाले सप्ताह में, हम विश्वास करते कि वह निरन्तर अपने को हमारे बीच प्रमाणित करेगा; बीमार चंगे हो जायेगे, और महान बातें घटित होंगी।

हम ख्याति का विचार नहीं हैं। हम सत्य चाहते हैं। और हम नहीं, हम (चाहते हैं) हम नहीं चाहते—हम किसी चीज का सामना करना नहीं चाहते हैं, सिवाये जो परमेश्वर ने कहा है वह सत्य है। परन्तु, "निसन्देह आपके पाप सदा आपको ढूंढ लेंगे।" यदि यह यहां नहीं होता, तो यह न्याय में आपको पकड़ा देगा। इसलिए आप—आप... यह अब कहीं न कहीं आपको पकड़ लेगा। जी हां, श्रीमान।

125 परन्तु यदि आप एक सच्चे मसीही हैं, योना की तरह सच में बुलाए गए थे, तो परमेश्वर ने आपका भाड़ा पहले ही चूका दिया है। उस तर्शीश जाने वाले जहाज पर से कैसे भी उतर आईये। परमेश्वर ने आपको इस जीवन के लिए पहले से ही ठहराया है। जी हां, श्रीमान। यदि आप सच्चे है, परमेश्वर के बालक कहलाते हैं, तो मसीह में आ जाये। उसकी परिपूर्णता में आ जाये। आपका किराया कहां के लिए चुकाया गया है? यह नीनवे के लिए दिया गया है, ना की तर्शीश के लिए। आप पहले से चुने जा चुके हैं। आपका जहाज... जहाज अपने रास्ते पर जाने के लिए तैयार है। इसलिए अब केवल एक ही काम करने के लिए है, कि उस पर सवार हो जाये। और यदि आप परमेश्वर की तरह थे, आपको तब तक कभी शांति नहीं मिलेगी...

126 कुछ समय पहले, मेरे छोटे भतीजे की तरह। अब से लगभग दस वर्ष पहले, वह इधर से उधर भटकता रहा। किसी प्रात: वह किसी कलीसिया में जाता, वह कैथोलिक कलीसिया यही है, और यह ले लेता क्योंकि किसी पवित्र पिता के विषय में जो *यहाँ* था बाते करता, और किसी के विषय में *यहाँ* पर, और किसी के विषय में जो *यहाँ* है। इस सब से क्या बात बनती? देखा? और वह अब भी भूखा और प्यासा है। मैंने कहा, "पुत्र, तुम्हारा स्थान वहां नीचे वेदी पर है।" समझे?

इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। जब कभी भी परमेश्वर आपको निकाले, आप केवल समर्पित हो जाये और आगे बढ़े। बस इतना ही।

127 परमेश्वर को याद रखे! ठीक है, परमेश्वर नाव में था। परमेश्वर तूफान में था। परमेश्वर मछली में था। जहां कहीं भी वह घूमा, परमेश्वर वहां था।

देखिए, परमेश्वर वहां है, और वह निरन्तर आपको खोजता रहता है। तो फिर हम क्यों देर तक प्रतीक्षा करते हैं? हम अभी इस बेदारी को आरंभ करें। यह ठीक बात है! आप किस की प्रतीक्षा कर रहे हैं? हम विश्वास करते हैं कि प्रभु का आगमन बहुत पास है, और वह दुल्हन को लेने आ रहा है, और वह तैयार है। और हम किसी भी तर्शीश के लिए कोई जहाज नहीं चाहते। हम नीनवे जा रहे हैं। हुंह! हम महिमा में जा रहे हैं। आमीन। यह ठीक बात है। हम वही जा रहे हैं जहां परमेश्वर आशीष देने जा रहा है, और वही हम करना चाहते हैं।

128 अपने ह्रदयो के साथ परमेश्वर के सामने समर्पित हो जाये; ना कि बहुत सारे अपने हाथो से, परन्तु परमेश्वर के सामने अपने ह्रदयो के साथ, जब तक कि वह हमें इस तरह से उसमें से होते हुए अपनी महिमा की किरणों से पका ना दे, और हममें अपनी—अपनी भलाई में सेक कर, और जो हम में है, उसे वास्तविकता में पका ना दे, देखो, जब तक कि हम दूसरों को यह ना दिखा सके कि यीशु मसीह जीवता है। ओह, प्रभु! हम इसका विश्वास करना चाहते हैं।

129 और याद रखें, जहां भी योना गया, परमेश्वर नाव में था; परमेश्वर तूफान में था; परमेश्वर मछली में था। और वह योना के साथ रहा जब तक उसकी उसकी सिद्ध इच्छा पूरी ना हुई। यह ठीक बात है।

और यदि आप उसको हो सकता है यहां चकमा दे *वहां* चकमा दे, और *वहां* आपके पीछे हो, परन्तु आप तब तक परेशान रहेंगे जब तक कि आप वापस आकर और उसके काम को जो आपने पहले आरम्भ किया उसे ना करे। देखा? मत जाईये, परमेश्वर की उपस्थिति में से मत भागिए। उसकी ओर मुख कीजिए। आप विश्वास करते हैं कि यह सत्य है, तो फिर... यदि यह सत्य है, तो यह जीने के, मरने के या किसी भी योग्य है। और यदि आपको यह कभी भी प्रमाणित हुआ हो, कि यही सत्य है, तो हम इससे बच कर कहीं भी नहीं भाग सकते। वह उसी तरह से ठीक वहां पर होगा। आप यह नहीं कर सकते।

130 अपने दिए गए भविष्यव्यक्ता के द्वारा, जिसको उसने वहां जाने के लिए अभिषिक्त किया और संदेश को प्रचारित करे, अब, ऐसा लगता है कि वह अपना दूसरा भविष्यव्यक्ता भेज सकता है, परन्तु उसने योना को अभिषिक्त किया है, और यहां तक कि एलिय्याह भी नहीं कर सकता, यर्मयाह भी नहीं

कर सकता, मूसा भी नहीं कर सकता, यह तो योना को ही नीनवे जाना है। बस यह वहां था। उसने उसे अधिकार दिया और उसे जाने को कहा। और जब वह कहता है, "योना, वहां नीनवे को जा," तो योना को छोड़ कोई और जाकर इसे नहीं कर सकता।

और जब परमेश्वर आपसे कुछ करने के लिए कहता है, तो यह आप ही को करना है; किसी और को नहीं। देखिए, हमें अच्छा है कि उसका सामना करे, और, और जाकर करे।

131 हम विश्वास करते हैं कि हम ऐसे समय में रह रहे हैं जब की परमेश्वर कुछ कर रहा है। हम विश्वास करते हैं कि अब हम उनके बीच में रह रहे हैं। आज रात्री मैं विश्वास करता हूं कि मैं उस सभा में प्रचार कर रहा हूं जो—जो कि वहां पर रुकी हुई परिपक्व होने की प्रतिक्षा कर रही है। मैं—मैं इसका सही में पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं। मैं यह कहूंगा यह अब भी वैसा ही है जैसा कि हमेशा से रहा है।

132 अब, हम विश्वास करते हैं कि संत यूहन्ना 14:12 पूरा होने का समय आ गया है। हम, हम विश्वास करते हैं कि मलाकी 4 अवश्य ही पूरा होना चाहिए। हम विश्वास करते हैं कि लूका 17:30 अवश्य ही पूरा होना चाहिए। इन सारी भविष्यवाणियो को जो उसने कही हम विश्वास करते हैं, कि इस दिन में घटित होंगी। हम विश्वास करते हैं कि उन्हें अवश्य ही पूरी होनी चाहिए, और हम विश्वास करते हैं कि अब हम इन्हें पूरा होते हुए देख रहे हैं। यह बिल्कुल ठीक बात है।

133 भागना बंद करो। उसकी उपस्थिति में से मत भागो; बस उसकी उपस्थिति में आ जाओ। यह ठीक है। और मैं जानता हूं कि आपकी यही करने की इच्छा हैं। क्योंकि, मैंने वहां टेक्सास के, और लुईसियाना के, और हर तरफ के लाइसेंस देखे हैं। इसलिए हम यहां उसकी उपस्थिति से भागने के लिए नहीं है, परन्तु उसकी उपस्थिति के अंदर भागने के लिए यहां पर है।

वापस आओ, उतर जाओ... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... योना की तरह से, यदि आप भी भटक रहे हैं किस मार्ग पर जाऊं या क्या करूं, तो आज रात्री हमारे साथ इस जहाज में आ जाओ। हम चिल्लाने के लिए, तर्शीश जा रहे हैं... याने, नीनवे, चिल्लाने के लिए। यदि वे चाहते है तो हम उन्हें तर्शीश के जहाज में जाने दे। परमेश्वर के समक्ष हमारा कर्तव्य है, यह

संदेश जिसके लिए हम जिम्मेदार हैं।

134 इसलिए इस आने वाले सप्ताह के लिए, आज रात यह एक आपके जानने के लिए प्रस्तावना है। जब मैं पुकारता हूं, तो इस संदेश के लिए मैं जिम्मेदार हूं, भाइयों। आप सेवकगण जो यहां बैठे हैं, मैं आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए यहां नहीं हूं। और आप स्त्री और पुरुष, जो इस विवाह और तलाक के विवाद को लेकर आये है, आज रात्री मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं। आप को समझाने के लिए मैंने यह सब कुछ जो कहा है, कि मैं केवल परमेश्वर के सामने उत्तरदायी हूं।

और तब, मैं फिर, आपके लिए उत्तरदायी हूं, कि मैंने आपको सत्य बताया। और मैं आपको सत्य को छोड़ और कुछ नहीं बताऊंगा, जब तक परमेश्वर मुझे बताता रहेगा कि सत्य क्या है। जब तक मैं सत्य को नहीं जान जाता, तब तक मैं इस विषय में कुछ नहीं कहता, देखिए, मैं इस विषय में कुछ नहीं कहूंगा। परन्तु मैं यह विश्वास करता हूं कि परमेश्वर मुझे *विवाह और तलाक* पर सत्य दिखाता है, और मैं यह विश्वास करता हूं कि वह मुझे इसे बाहर लाने देगा।

135 और दूसरे संदेश जिनको मैंने इस सप्ताह में लक्ष्य पर रखा है, वह, *यह मलिकिसिदक कौन है? परमेश्वर ने अपना नाम रखने के लिए कहां चुना है?* और इस प्रकार की थोड़ी चीजें, और कौन से संदेश आ रहे हैं, और *प्रसव पीड़ाये*। और—और कुछ चीजें, जो कि क्रम पर—पर, और प्रशंसनीय है *एक मनुष्य के लिए उसकी पत्नी का चुनाव*। और उन संदेशो में, कुछ चीजे मैं इस सप्ताह में लाना चाहता हूं। परन्तु मैं केवल यह चाहता हूं कि सभा...

136 जहां, यदि यहां पर कोई सेवकगण है तो; मेरे भाईयो, मैं यहां नहीं हूं... मैं नहीं चाहता कि आप, या कोई सदस्यगण, अपने कलिसिया में वापस जाकर, और कहे कि, "भाई ब्रन्हम ने *इस प्रकार* और *इस प्रकार* कहा है।"

मैं उन सन्देशो को लाने के लिए बाध्य हूं जो मुझे सर्वशक्तिमान परमेश्वर की ओर से दिये गये है। जैसे कि आज रात्री मैं यहां खड़ा हूं, और परमेश्वर जानता है कि यह सत्य है, बिल्कुल यहां इस नदी पर... हो सकता है, यहां लोग बैठे हुए है, जब प्रभु का दूत वहां नीचे आया और उसने मुझे बताया, ठीक वहां 1933 में, उसने क्या किया, ठीक यहां इस स्प्रिंग गली में। यदि

आप यहां परदेसी है, वहां गाड़ी चला कर जाये। तो वह स्प्रिंग गली का कोना है, वहां आप नदी पायेंगे, और वहीं यह घटित हुआ था। वह 1933 में हुआ। तब से, शायद लगभग अब बत्तीस वर्ष हो चुके है। ओह, यह तीस–... तीस हो गये–... बत्तीस वर्ष पहले, बत्तीस वर्ष पहले।

और किस तरह से वह ठीक सारी बातों को वहां लेकर आया। और हम बाहर निकल गए हैं, संदेश लाते रहे, और बीमारों, अंधो, और अपंगो, और लंगड़े, और पड़े हुए, और हर चीज को चंगे होते हुए देखा। और तब यहां तक कि मृतक जन जिनको हम जानते हैं कि उनको प्रमाणित किया जा चुका था, मृतको में से जी उठे। लोग मर गए, और फिर से उठकर जीवित हो गए, और यह सारी चीजे। यदि एक संदेश आगे बढ़ता है, तो वहां चिन्ह और आश्चर्यकर्म होते हैं!

137 और आप अब भी उन्ही पुराने विद्यालयो के विचारो को देखते हैं जिनके साथ आप आए हैं? वे परमेश्वर की ओर से नहीं आये है। परमेश्वर को केवल यह नहीं करना...

परमेश्वर आपके ध्यान को किसी चीज पर आकर्षित करने का यत्न कर रहा है।

138 और जब यीशु बाहर निकला, तो उसने बीमारों को चंगा करना आरंभ किया, और महान कार्य और चीजें की। वह, सदैव, वह... यीशु ने यह किया। और मूसा और यीशु ने यह किया, और बाकी सब ने। और जब वह यहां था, तो उसने इसे किया।

और वह आज भी वही काम को कर रहा है। जब वह बेदारी जैसी सभाओं के लिए भेजता है, और पृथ्वी पर सभा आरंभ करता है, और वह बड़े–बड़े चिन्हों और आश्चर्यकर्मो के साथ चलता है। और तब आप देखते हैं, कि वही पुराने विद्यालयो की शिक्षा वापस आ जाती है, तो वहां—वहां कहीं कुछ गड़बड़ है। वहां कोई नई चीज आ रही है! जब उसके बाद यीशु आया, जब...

139 "वह एक अच्छा गुरु है।" जब वह बिमारो को चंगा कर रहा था, तब वह किसी भी प्रचार मंच से प्रचार कर सकता था। जब, ओह, तब उन्होंने उसको वहां पसंद किया।

लेकिन एक दिन जब उसने बैठ कर, और यह कहा, "मैं और मेरा पिता एक हैं," भाईयो, उसके बाद वह इतना लोकप्रिय ना रहा था। जब

उसने कहा, "जब तक तुम मेरा मांस ना खाओ, और मेरा लहू ना पियो, तो तुम में जीवन नहीं। परन्तु वह जो मेरा मांस खाता, और मेरा लहू पीता है, उसके पास अनंत जीवन है; और मैं उसको अंतिम दिन जिला कर खड़ा करूंगा।" तब, उसके पश्चात वह अधिक लोकप्रिय ना था।

140 उन्होंने कहा, "यह मनुष्य लहू पीने वाला प्रेत है। यह मनुष्य बालजबूल है। इस प्रकार से उसने उन बातो को किया। वह भाग्यो को बता सकता था। उसने उनके—उनके मस्तिष्को के भीतर देखा और उनके विचार मालूम किए। वह भविष्य बताने वाला है।"

परन्तु, वह क्या था, वह—वह परमेश्वर का प्रकट किया हुआ वचन उस समय के लिए था। और वह कर्तव्य से बंधा हुआ था। उसने कहा, "मैं सदा वही करता हूं जिससे मेरे पिता को प्रसन्नता होती है।" परमेश्वर हमारी सहायता उन्ही चीजों को करने के लिए करें, वही करें जो पिता को प्रसन्न करती है।

141 और मैं आशा करता हूं कि सब समझ जायेंगे। यदि आप मेरे साथ इन संदेशों और बातों में सहमत नही हैं, जो कि आप याद रखेगे, तो कम से कम इतना सम्मान रखिए, कि मेरे पास एक जिम्मेदारी है, और मैं तर्शीश को नहीं जा रहा हूं। मैं नीनवे को जा रहा हूं, और मुझे—मुझे चिल्लाना है। प्रभु आप सब को आशीष दे।

आइए थोड़ी देर के लिए हम अपने सिरों को झुकाएं।

142 यह लगभग साढ़े नौ बजे हैं। मैं आपको रोकना नहीं चाहता, परन्तु आज रात्री मैं हो सके तो मालूम करना चाहता हूं। क्या यहां कोई ऐसा है जो—जो की उसको जहां मसीह में होना चाहिए वहां नही है, परन्तु आप—आप वहां होना चाहते हैं, और आपकी होने की इच्छा हैं, तो क्या आप हाथ उठाकर कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, मेरे लिए प्रार्थना करें"? परमेश्वर आपको आशीष दे, जरा इन हाथों को देखे। "मैं—मैं चाहता हूं... मैं यहां पर हूं, भाई ब्रन्हम, परमेश्वर के समीप आने के लिए।"

और यदि आपका सिर उठा हुआ था, तो मेरा—मेरा हाथ भी उठा हुआ है। इसी के लिए मैं यहां पर हूं। मैं आपकी तरह भूखा हूं।

143 ओह, परन्तु उस दिन, बढियां बातो में से एक बात घटित हुई, और मैं—मैं जानता हूं कि अब क्या करना है। और मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आपको सीधी साफ समझ दे। यह वहां है। वो... यदि आपके

मस्तिष्क में कोई प्रश्न है, तो कही उसका उत्तर भी है प्रश्न के पीछे उत्तर भी है। मेरी प्रार्थना है, इस समय के दौरान परमेश्वर आपको प्रश्न का उत्तर दिखाये।

144 यदि आप बीमार है, तो परमेश्वर आपको चंगा करे। मैं सोचता हूं कि हम चंगाई की सभाये करने जा रहे है, व्यावहारिक तौर पर और हम प्रत्येक रात्री बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। हम कुछ भी ऐसा कार्य करेगे जिससे आपकी सहायता हो सके, और आप ऐसा कार्य करे जिससे हमें सहायता मिले। और हम मिलकर कार्य करे, परमेश्वर पर विश्वास करे कि वह, हमें महान सभा देगा।

145 अब, पिता परमेश्वर, यह थोड़े टूटे–फूटे शब्द, परन्तु अब यह आपके हाथों में हैं। प्रभु, वे कह चुके है। मैं ही इसे करूंगा। जिस प्रकार... यह शब्द कभी मर नहीं सकते; यह टेप में संसार के चारों ओर घूमेगा, रिकॉर्ड पर, और किसी दिन फिर से मुझे इसका सामना करना होगा। प्रभु मैं यह अनुभव करता हूं, और मैं यह ह्रदय की सच्ची गहराई से कहता हूं।

146 प्रिय परमेश्वर, मैं आज रात्री, इनमें से हर एक आपके बच्चे के लिए, मैं प्रार्थना करता हूं। और, ओह परमेश्वर, मैं विश्वास करता हूं, कि इससे पहले यह सप्ताह पूरा हो, वह—वह समझ जायेंगे, इस महान प्रश्न को जो आज रात्री उनके मस्तिष्क में है, तय हो जाएगा। प्रभु इसे स्वीकार करें।

147 पिता अभी भी यहाँ पर बहुत से है जो आपको बचाने वाले के रूप में नही जानते, या हो सकता है वे कभी भी पवित्र आत्मा से नहीं भरे है। होने दे कि आज वह रात हो।

148 प्रभु, मैं किसी को भी पवित्र आत्मा से नहीं भर सकता; ना ही मैं किसी को बचा सकता हूं। मैं केवल उनको वही बता सकता हूं जो आपने कहा है, "धन्य हैं वे जो धर्म के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे।" और परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप इनके ह्रदयो में भूख जगा देगे।

प्रभु बहुत से है, जिन्हें भूखा होना है; वे बर्फ और हर सब में और वर्षा वाले पहाड़ों पर, और रेगिस्तान के पार किस प्रकार सेकड़ो मील गाड़ी चलाते हुए, इस छोटे से पुराने स्थान में आकर यहाँ कोने में बैठे है! तब मैं फिर से सोचता हूं, आपने कहा, "जहां लोथ है, वहां उकाब जमा होंगे।" प्रभु, हमें अपना दिव्य मन्ना खिला। हमारे प्राणों को वही दे जिसकी हमें सच

में आवश्यकता है। पिता हम आपके लिए प्यासे हैं। अब हम आपके हाथों में हैं।

149 और वह महान पवित्र आत्मा नीचे आये जो उस दिन वहां पहाड़ पर आया, मैं प्रार्थना करता हूं कि वह प्रत्येक के ह्रदय को अपनी भलाई और अनुग्रह, और समझ से तृप्त कर देगा। पिता, हम अनुभव करते हैं, इसे समझना ही हमारी आवश्यकता है। क्योंकि यदि हम नहीं जानते कि हम क्या कर रहे हैं, तो हम कैसे जानते हैं कि इसे कैसे करना है? लेकिन हमारे पास समझ होनी चाहिए। जैसा कि दानिय्येल ने कहा, उसे "यर्मयाह भविष्यद्वक्ता के लेख से समझ आया।" और, पिता, हमे पवित्र आत्मा के लेख से समझ मिली, जैसा कि वह इस घड़ी में हम पर प्रकट कर रहा है। आपके लिए जो इच्छा हमारे ह्रदय में है प्रभु वह हमे दे। पिता, हम यह कोमलता से आपकी महिमा के लिए मांगते है, यीशु मसीह के नाम में।

150 अब अपने झुके हुए सिरों के साथ। जैसे कि हमारी बहन वह स्वर दे रही है, "वह मुझे अनुग्रह और महिमा देगा, और मेरे सारे मार्गो में मेरे साथ चलेगा।" मैं चाहता हूं कि अब शांति के साथ प्रार्थना करें और स्वर्गीय पिता से मांगे कि वह आज रात्री आपके लिए वही प्रदान करे, जिसकी आपको आवश्यकता है।

151 प्रिय भाई, प्रिय बहन, वह आपके इतने ही पास है जैसा आपकी बांह आपके पास है। आपने मेरा दूसरी चीजों में विश्वास किया है, इसमें भी मेरा विश्वास करें। जो कोई भी आपकी आवश्यकता है, वह यहां उसे देने के लिए है।

152 ओह, पिछले कुछ सप्ताहों से मैं आपको देखने के लिए इतना भूखा, इतना प्यासा, इतना गृहातुर था। इसी कारण मैंने कहा, "बिली, चलो घर चलें।"

मैडा ने कहा, "बिल तुम वहां ठंडे प्रदेश में फिर से वापस जाकर क्या चाहते हो? तुम्हारा गला हमेशा खराब रहता है और वगैरा–वगैरा। तुम हमेशा जब वहां आते हो, और जुकाम से जकड़ा सिर, और गला खराब, और तुम बोल भी नहीं पाते हो।"

153 मैंने कहा, "भाई, मुझे नहीं मालूम।" मैंने उससे कहा... मैं अपने मित्र चार्ली कॉक्स को पीछे बैठे देखता हूं। मैंने कहा, "चार्ली को उतावली से यह कहते सुनना चाहता हूं, 'वह छोटी गिलहरी वहां उस पेड़ पर चढ़ गई।'

मैं तो यह सुनने के लिए बहुत ही लयलीत हूं।" मैं—मैं तो बस चाहता हूं कि तुम्हारे चारो ओर रहूं।

154 मैं जानता हूं मेरा भाई काफी बीमार हैं। और बहुत समय नहीं हुआ मैंने उसका दर्शन देखा है, और वह अपनी पीठ के बल पड़ा है। और मैं जानता हूं कि अभी हाल ही में वह हम से अलग होने के बहुत नजदीक था। जब मैं आप में से बहुतो को देखता हूं...

155 एक रात मैं मसीही व्यवसायीयो की सभा, और अंतरराष्ट्रीय सभा में आया। बूढ़े "बाबा" शकेरियन, देमास के पिता, जो वहां बैठा करते थे और जब तक मैं ना आ जाऊं ताकते रहते थे, तब वह मुस्कुराते हुए, और हल्के से मेरी ओर हाथ हिलाते। वह वहां नहीं थे। वह जा चुके है।

तब मुझे उस परिवार में, **यहोवा यों कहता है** के साथ जाना था, कि उनकी पुत्री भी मरने जा रही है। फ्लोरेंस, मैंने उसे एक दर्शन में जाते हुए देखा। और मैं जानता हूं वह जा रही है। और मैंने कहा, "प्रार्थना करो, केवल प्रार्थना करो। आप जानते हैं... एक बार एक भविष्यवक्ता था जिसे कहा गया कि राजा को जाकर बता दे कि अपना घराना व्यवस्थित करे। और उसने प्रार्थना की, और अपने जीवन को पंद्रह वर्षो के लिए बचा लिया।" मैंने कहा, "प्रार्थना करो।"

156 परन्तु, आप देखो, और मैं—मैं वापस आ गया... और उस दिन में रेस्टोरेन्ट में बैठा खा रहा था। एक व्यक्ति मेरी ओर आया, और बोला, "क्या तुम बिली ब्रन्हम हो? "

मैंने कहा "हाँ।"

157 वह शायद मुझे नहीं जानता था, कारण *यह* मेरे सिर का गंजा वाला भाग। मैं सभा की दौरान ठंड से गले में खराश से बचने के लिए यह बाल पहने हुए था।

और वह मेरी ओर आया, उसने कहा, "मैंने सोचा मैं तुम्हे जानता हूं, बिली।"

मैंने कहा, "हां।" मैंने कहा, "तुम कौन हो? "

बोला, "मैं जॉन वार्मन हूं।"

मैंने कहा, "ज़िप कैसा है? "

वह बोला, "बिली, वह मर गया।" ओह!

158 मैं न्यायालय से होते हुए आ रहा था; अपने टैक्स चुकाने गया था। न्यायलय से निकलते हुए, और महिला मेरी ओर चिल्लाई, और बोली, "तुम्हे मालूम है जॉन चला गया है? " या, कोई और नाम। वह जॉन नहीं हो सकता; एड, या कुछ तो और था। और मैंने कहा... मैं उस महिला को नहीं जानता था। मुझे परेशानी महसूस हुई। और मुझे पता चला, वह महिला कौन थी, मैं नहीं जानता।

वह बोली, "आपको याद है एक अंधेरी रात जब यहां नदी किनारे तक चढ़कर बह रही थी, और वहां चेस्टनट गली के मकान बह गए थे, और आप अपनी जान जोखिम में डाल कर उस स्थान पर और उस स्त्री और कुछ छोटे बच्चों को लाने के लिए गए थे? "

मैंने कहा, "क्या वह आप है? "

159 वह बोली, "मैं—मैं वही महिला हूं।" वह अपने बच्चे के लिए रोने लगी; आप मेरी कहानी जानते हैं। उसने कहा, "वह जिसको मैं अपना बच्चा कह रही हूं, विवाहित है और उसका परिवार है।" देखा? और यहाँ है, वह बूढ़ी है और सफेद बाल है; और यहां मैं भी हूं।

160 एक–एक करके, हमारे कार्ड रैक या पाटन में से निकलते जाते हैं, जैसे कि यह था। और हमारी सभाये होती है, और मैं *इसकी* कमी अनुभव करता हूं, *उसकी* कमी महसूस करता हूं। इन्ही दिनों में किसी दिन, हम सब को गायब होना है।

परन्तु, भाई, बहन, वहां एक एकत्र होने का स्थान है। आइए हम निश्चित हो जाए कि हम सही हैं। क्या आप होंगे? परमेश्वर के प्रति अपनी समझ और जो भी है बर्बाद ना जाने दे। आओ हम विश्वास करें।

161 पिता, यह आपके हाथों में हैं। मैं आपके हाथों में हूं, प्रभु। उन सभाओ के लिए जो आने वाली रात्री में आरम्भ होने वाली है अब हम यहां केवल समर्पण के लिए हैं। क्या आप हमारी सहायता करेंगे, प्रभु? होने दे—होने दे हमारी बातचीत निरंतर आपके लिए हो! होने दे हमारे ह्रदय और मस्तिष्क आप पर स्थिर रहे, और आपने कहा है कि आप हमें अपनी सिद्ध शांति में रखेंगे। बाईबल में यह भी लिखा है, "अपनी समझ का सहारा ना लेना।" ओह परमेश्वर, हम अपनी समझ नहीं चाहते; हम आपकी समझ चाहते हैं। हे परमेश्वर आप उसे हमे दे। और होने दे कि यह बेदारी हमारे प्राणों में आए जब तक इन लोगों का झुंड एक ह्रदय और एक सहमती में ना आ जाए।

पिता, इसे स्वीकार करे। इन चीजों को प्रदान करें, जबकि हम प्रार्थना को यीशु मसीह के नाम में करते हैं।

जब तक हर्ष से बेसुध मेरे प्राण नही पायेगे
नदी के पार आराम को।

क्रूस में, क्रूस में,
मेरी महिमा हो...

आईये अपने हाथो को उठाये।

... हमेशा;
जब तक हर्ष से बेसुध मेरे प्राण ना पायेगे
नदी के पार विश्राम को।

यीशु, मुझे क्रूस में रखना,
वहां एक कीमती झरना,
मुफ्त... (हाँ, प्रभु, मुफ्त में।)... चंगाई की धारा,
जो कलवरी के झरने से बहती है।

क्रूस में, क्रूस में,
मेरी हमेशा की महिमा हो;
जब तक हर्ष से बेसुध मेरे प्राण नही पायेगे
नदी के पार विश्राम को।

162 [भाई ब्रंहम *क्रूस के पास* गुनगुनाते हैं—सम्पा।] हे परमेश्वर! यदि आप में से कोई यह महसूस करता है कि वेदी के पास आकर घुटने टेके, यदि आप आना चाहते हैं तो, कहिए, "मुझे जहां होना चाहिए मैं नहीं हूं, प्रभु। मैं—मैं एक पवित्र कार्य के लिए फिर से अलग होना चाहता हूं। प्रभु, आज रात्री मैं यह करना चाहता हूं।" यहां आने के लिए आपका स्वागत है। यहां हम आपके साथ प्रार्थना करेगे।

क्रूस में, क्रूस में,
ओह, मेरी सदा की महिमा;
जब तक हर्ष से बेसुध मेरे प्राण नही पायेगे
नदी के पार विश्राम को।

यीशु, मुझे क्रूस के पास रखना,
वहां एक कीमती झरना है,

सब के लिए मुफ्त में, चंगाई धारा,
जो कलवरी पहाड़ से बहता है।

क्रूस में, क्रूस में,
मेरी सदा की महिमा;
जब तक हर्ष से बेसुध मेरे प्राण नही पायेंगे
नदी के पार विश्राम को।

163 आइये अब हम में से प्रत्येक अपनी तरह से प्रार्थना करें। बस—बस समय को भूल जाये। आइए उसकी उपस्थिती में अपने सिरों को झुकाये। यहाँ यह छोटी स्त्री, पुकार रही है, "यीशु, मैं आपसे प्रेम करती हूं!" आपको याद है जब आप बची थी बहुत वर्षों पहले, याद किजिए वह आपके लिए वह कितना प्यारा था? वह आज रात्री भी उतना ही प्यारा है। आइए हम सब अपनी तरह से प्रार्थना करें। आइए अब—आइये अब हम परमेश्वर के लिए पवित्र करने के लिए, अपने आप को अलग करे अपने को प्रभु के लिए समर्पित करें।

164 प्रिय प्रभु यीशु... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

मेरे सब आश्वासन की धारा,
मुझे जीवन से अधिक कीमती है,
पृथ्वी पर तुझे छोड़ मेरा कौन है?
या स्वर्ग में तुझे छोड़ कौन है?

प्रिय परमेश्वर, अब हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आपका अनुग्रह और दया हर एक पर और हममें से हर एक पर हो, प्रभु। हम यहां वेदी के पास हैं। बहुत से ऊपर नहीं आ सकते; आप उनसे उनके स्थानों पर मिले। जो भी हम सामने रखते हैं, प्रभु, आप उसे लेने के इच्छुक हैं। यदि हम केवल अपना समय दे आप ग्रहण करे; प्रतिभा, आप उसे ग्रहण करेंगे। परन्तु, प्रभु परमेश्वर, आज रात्री हम उससे भी आगे जा रहे हैं, कि हम अपने को ही देने जा रहे है। वह सब जो मैं हूं, वह सब जो मैं आगे आशा करता हूं, प्रभु, सब आप में हो। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारी यह प्रार्थनाये अपने ह्रदय में ले लेंगे, प्रभु, और हमें पवित्र आत्मा की महान गहराई देगे, कि हमारे जीवन बदल जाएंगे। क्योंकि, हम देखते हैं कि हम अब अंत में हैं। बहुत अधिक समय नहीं बीत सकता। और जैसे कि हम देखते है हमारे प्रियजनों को, दिन–प्रतिदिन छुटते जा रहे हैं, नवयूवक और

बूढ़े, हम जानते हैं जल्द ही यह हमारे द्वार पर खटखटायेगी। और आज रात्री, प्रभु, जब हम यहां पर अपनी सही मानसिक दशा में बैठे हैं, या यहाँ घुटने टेके हैं, खड़े हैं, हम जिस भी स्थिति में हैं, प्रभु परमेश्वर, हमें ग्रहण करे।

165 मुझे ले, प्रभु। मैं कुछ भी नहीं हूं, परन्तु मैं जो कुछ भी हूं, प्रभु, यदि आप मेरा कोई भी प्रयोग कर सके, मैं अपने आप को आपको समर्पित करता हूं।

166 प्रिय परमेश्वर, मैं इन में से प्रत्येक के लिए प्रार्थना करता हूं। इन प्रिय लोगो के लिए मैंने वहां एरीजोना के पहाड़ों पर खड़े होकर और मैं इनके लिए रोया, और यहां यह वेदी के चारों ओर हमारे साथ घुटने टेके, आज रात्री प्रार्थना कर रहे हैं, हमारे जीवन को पवित्र कर। प्रभु हम आपको अपने जीवनो से अधिक प्रेम करते हैं। हम आपको अपने परिवारों से अधिक प्रेम करते हैं। हम आपको पत्नी, बच्चों, पिता, माता, बहन, भाई, पति, पत्नी से अधिक प्रेम करते हैं। प्रभु यीशु, हम आपसे प्रेम करते हैं। हमारे ह्रदयो में इसे वास्तविक कर दे, प्रभु। हमारे प्राणो में प्रसन्नता का तेल इस सप्ताह में उड़ेल दे, प्रभु। हमें वचन द्वारा नहालाये और धोये, वचन के पानी के द्वारा, सत्य को हमें बांटते हुए।

167 आज रात्री यहां बहुत से है, प्रभु, और यहां पर होंगे, जो कि जीवन सम्बधी विषयों पर उलझन में होगे। हे परमेश्वर, झरने को परमेश्वर के भवन में खोल दे, जो कि—जो कि हमारी सफाई के लिए है। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप अपने लहू में हमें धोयेगे और साफ करेंगे, और हमें नई सृष्टियाँ बना देगे। और हमें अनुग्रह और सामर्थ दे, कि जीवत यीशु मसीह का सत्य का वचन उसके दिव्य प्रकाशन में सामने ला सके।

प्रभु, होने दे कि वह हमारे बीच में प्रकट हो। होने दे कि वह आये और हमारी बीमारियो को चंगा करे, हमारे पापों को क्षमा करे, हमारे भूखे ह्रदयो को महान प्रसन्नता की लहरो से भर दे, सुसमाचार हमारे जीवनो में प्रकट हो।

हर पास्टर को, हर गीत निर्देशक, हर संडे स्कूल के शिक्षक को आशीषित करे। हम सब को एक साथ आशीष दे, प्रभु, क्योंकि हम सच में आपसे प्रेम करते हैं। और प्रभु, इस समर्पण में हम आपके है। यीशु मसीह के नाम में, अब हमें अपनी इच्छा के अनुसार काम में ला।

मेरा विश्वास तुझ को देखता है,
तू कलवरी का मेमना,
हे दिव्य बचाने वाले;
जबकि मैं प्रार्थना करता हूं तो मेरी सुन ले,
मेरे सारे पाप दूर कर दे,
हे मुझे आज के दिन से
पूर्ण रूप से अपना होने दे!

आपको यह अच्छा लगता हैं? आइये हम इसे फिर से गाये।

जब जीवन की अंधेरी भूल–भुलैया में मैं चलता हूं,
और मेरे चारों ओर दु:ख फैले हुए है,
ओह, तू मेरा मार्गदर्शक बनना;
घोर अंधकार को दिन में बदल देना,
सारे दु:ख के आंसू पोछ देना,
मुझे अपने पास से दूर ना जाने दे
तेरी ओर से।

क्या इससे आपको अच्छा अनुभव होता है? आपमें से कितने पुराने गाने पसंद करते हैं? मैं बहुत पसन्द करता हूं। क्या आप करते है?

ओह, हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम सिय्योन पर ऊपर चढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का वह सुंदर नगर।

ओह, हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
ओह, सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम सिय्योन की ओर आगे चढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का वह सुंदर नगर।

आओ, हम जो प्रभु से प्रेम करते हैं,
और हमारी प्रसन्नता प्रकट हो,
इस गीत में मीठे स्वर से जुड़ जाये,
इस गीत में मीठे स्वर से जुड़ जाये,
और इस प्रकार सिंहासन के चारो ओर,
और इस प्रकार चारों ओर...

अब, आइये जब हम गाते हैं तो खड़े हो जाये। एक दूसरे से हाथ मिलाये।

... सिय्योन की ओर बढ़ रहे है,

बहन को आशीष मिले! बहन को आशीष मिले! भाई को आशीष मिले! बहन को आशीष मिले!

वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

आइए हम अपने हाथों को ऊपर परमेश्वर की ओर उठाये।

ओह, हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे है,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

ओह, हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
ओह, सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम सिय्योन की ओर ऊपर चढ़ रहे हैं,
वो परमेश्वर का सुंदर नगर।

क्या यह आपको बढिया अनुभव नहीं कराता? ओह, प्रभु! ओह, आइए अब हम अपने हाथों को उठाये और केवल उसकी प्रशंसा अपने तरीके से करें।

168 प्रभु यीशु, तू शारोन का गुलाब, घाटी की कुमुदनी, भोर का चमकता तारा, मेरे प्राणो के लिए तू दस हजारो में सुन्दर है। तू मेरे सारे विश्रामो की धारा है, मेरे लिए जीवन से भी अधिक! कितना हम तुझसे प्रेम करते हैं! अब हमारी सुन, हे प्रभु। कैसे हम तेरा धन्यवाद करे! ओह! [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] हम आपकी कैसे प्रशंसा करे! इन्हें आशीषित कर, हमारे मूल्यवान और बचाने वाले! इन बातो को स्वीकार करें, प्रभु। इसे स्वीकार करें... ? ...

... क्रूस के पास,
जहा मेरी महिमा है;
जब तक मेरा हर्षित प्राण ना पा लेगा
नदी के पार विश्राम को।

169 जो भी हो जैसे भी मुझे लगता है हम जा रहे हैं... कुछ तो हमारे लिए सामने रखा हुआ है। अब, केवल याद रखें, मैं विश्वास करता हूं कि मैं भविष्यवाणी कर रहा हूं। महान आनंद सामने है। इसका विश्वास करें। यह ठीक बात है। बहुत से दुखित हृदय जुड़ जायेंगे... महान भेद साफ हो जायेंगे, और लोग जो दुखित हैं आन्दित हो जायेंगे।

क्रूस के पास, क्रूस में,
सदा मेरी महिमा है;
जब तक मेरा हर्षित प्राण ना पा ले
नदी के पार विश्राम को।

170 जैसे की बूढ़ा यूहन्ना, जब वह प्रचार करने के लिए बहुत ही बूढ़ा हो गया, तो वह बैठ जाता और चिल्लाता, वे मुझे बताते है, कि वह अपनी पूरी सामर्थ से, "छोटे बालकों, एक दूसरे से प्रेम करो!" एक दूसरे से प्रेम करो। कुछ भी अपने बीच में ना आने दे, समझे। हर चीज को दूर रखो... जी हां, कोई मतलब नहीं कि वह क्या है, उसका सामना करो। हम नीनवे की राह पर हैं। समझे? उस तर्शीश के जहाज पर ना चढ़े, वह आपको संगति से दूर ले जाता है। आइए हम परमेश्वर के आशीषो के झरने के पास चले। मैं विश्वास करता हूं कि हम उसे पाने जा रहे है। हमारे पिता मैं विश्वास करता हूं।

171 बहन, आपको अब पहले से अच्छा लग रहा है? यह बहुत अच्छा है। मैं इसी प्रकार से मैं बालको को उत्पन्न होते देखना चाहता हूं, जो की आ रहे हैं।

मैं वर्षों पहले के लिए सोच सकता हूं, कि इन्ही स्थानों पर, कितने हजारों परमेश्वर के राज्य के लिए उत्पन्न हुए थे, बिल्कुल इसी स्थान पर। हमने कितना थोड़ा जाना, जब हम यहां पर जेब में अस्सी सेंट लेकर कलीसिया बनाने के लिए खड़े थे! ओह, उसने कहा, "मुझ प्रभु ने इसे लगाया है; मैं इसे दिन और रात सीचुंगा।" और उसने यही किया। उसने यही किया।

परमेश्वर आपको आशीष दे। अब जब हम अपने सिरों को झुकाये हुए हैं...

172 अब, कल रात, याद रखें, सभाओ को वहां विद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। और यदि... हमने किसी को यहां तैनात किया है,

कि लोगों को बताये कि वहां कैसे पहुंचे, क्योंकि नए लोग आ रहे है।

173 आप उससे प्रेम करते हैं, तो कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह, क्या वह अद्भुत नहीं है?

174 मैं यहाँ किनारे पर खड़ा हुआ, और वह पुराना गीत गा रहा था:

यर्दन के तूफ़ानी किनारे पर मैं खड़ा हूं,

सोचिए, यह तीस साल पहले था, तैंतीस, तैंतीस वर्ष पहले।

और चाहने वाली दृष्टी डाली,
उस कनान की सुन्दरता और खुशनुमा देश,
जहां मेरी धरोहर रखी है।

और जितनो को मैंने उस संध्या में बपतिस्मा दिया, अब वे वहां हैं। जब, वे वहां खड़े थे और उस भोर के तारे को जो स्वर्ग से उतर रहा था, चारो ओर चक्कर काटता हुआ इस तरह नीचे आ रहा था, बोला, "जिस प्रकार यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला लाने के लिए मसीह के पहले आगमन के आगे भेजा गया, तेरा संदेश दूसरे आगमन के आगे चलेगा।" यह कैसे सोचा जा सकता है? परन्तु, परमेश्वर के सारे वचन सत्य हैं, परमेश्वर के सारे वचन। हम महान राजा की उपस्थिति में रह रहे हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

175 जब हम अपने सिरों को प्रार्थना में झुकाये हैं, तो मैं भाई नेविल से हमारे बहुमूल्य पास्टर से कहने जा रहा हूं, कि यहां आकर और प्रार्थना से हमारी सभा को समाप्त करें।

भाई नेविल, परमेश्वर आपको आशीष दे।

65–0217 एक मनुष्य प्रभु की उपस्थिति में से भाग रहा है
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org